Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 160 | शुक्रवार, 19 जून-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

नीट यूजी री-एग्जाम: धर्मेंद्र प्रधान की हाई-लेवल मीटिंग, बोले- पारदर्शिता से समझौता नहीं

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार (18 जून, 2026) को शिक्षा मंत्रालय, राज्य सरकारों, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (ठळअ) और उच्च शिक्षा संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों और पदाधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक का उद्देश्य 21 जून को होने वाली ठएएळ वऋकी दोबारा परीक्षा की तैयारियों का जायजा लेना था। स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव विनीत जोशी और ठळअ के महानिदेशक अभिषेक सिंह भी बैठक में शामिल हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने परीक्षा प्रक्रिया में ईमानदारी, पारदर्शिता और दक्षता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया और सभी संबंधित अधिकारियों को सतर्क और पूरी तरह से तैयार रहने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि दोबारा परीक्षा निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित करने के लिए जरूरी इंतजाम किए जाएं।

सभी स्तरों पर तालमेल के महत्व पर जोर देते हुए, मंत्री ने बताया कि मंत्रालय द्वारा नियुक्त अधिकारी सभी राज्यों में जाकर दोबारा परीक्षा की प्रक्रिया से जुड़ी गतिविधियों में तालमेल बिठाएंगे और ठळअ के उच्च की अध्यक्षता वाले कमांड सेंटर को रिपोर्ट करेंगे। मंत्री ने राज्य सरकारों के नियुक्त नोडल अधिकारियों से कहा कि वे यह पक्का करें कि छात्रों को सभी जरूरी सुविधाएँ मिलें, ताकि वे बिना किसी तनाव के माहौल में दोबारा परीक्षा दे सकें।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार ने कहा कि परीक्षा देने वाले छात्रों को पूरी तरह से सहज महसूस कराया जाना चाहिए। इसके लिए उन्हें सभी जरूरी सुविधाएँ दी जानी चाहिए, जैसे परीक्षा से पहले बैठने की व्यवस्था और पीने के पानी का इंतजाम।

उन्होंने राज्य सरकारों के नोडल अधिकारियों से कहा कि वे इस दिशा में जरूरी कदम उठाएँ। उच्च शिक्षा विभाग के सचिव विनीत जोशी ने कहा कि अभी से लेकर दोबारा परीक्षा की तारीख के बीच का समय बहुत अहम है। उन्होंने सक्रिय तालमेल, समय पर निर्देश पहुँचाने और तय सभी नियमों का सख्ती से पालन करने की जरूरत पर जोर दिया।

आतंकवाद पर भारत-अमेरिका का होगा साझा प्रहार, गृह मंत्री अमित शाह से मिले अमेरिकी राजदूत गोर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक की। इस बैठक में दोनों नेताओं ने आतंकवाद से निपटने और दोनों देशों में अपराधियों को सजा दिलाने के लिए सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। एक्स पर एक पोस्ट में गोर ने बताया कि बातचीत मुख्य रूप से लोगों को नशीले पदार्थों और अवैध ड्रग्स से बचाने और सीमाओं को सुरक्षित करने पर केंद्रित थी। माननीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई।

हमने आतंकवाद से निपटने, अपने लोगों को नशीले पदार्थों और अवैध ड्रग्स से बचाने, सीमाओं को सुरक्षित करने और दोनों देशों में अपराधियों को सजा दिलाने के लिए सहयोग बढ़ाने पर सार्थक चर्चा की। फ्रांस के एवियन में G7 समिट से भारत लौटने के कुछ ही समय बाद गोर ने अमित शाह से मुलाकात की। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ एक तस्वीर शेयर की।

उन्होंने इस मुलाकात को फायदेमंद बताया और कहा कि अमेरिका और भारत के बीच कई सकारात्मक नतीजे निकले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक में भारत और अमेरिका ने कई अहम मुद्दों पर चर्चा की।

गोर ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि G7 समिट के दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने पर अहम बातचीत की।

उद्धव ठाकरे को सबसे बड़ा झटका! संसदीय दल की बैठक में नहीं पहुंचे 9 में से 6 सांसद, टूट पर लगी मुहर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। शिवसेना (उद्धव ठाकरे) द्वारा दिल्ली में बुलाई गई संसदीय दल की बैठक में 'व्हिप' जारी होने के बावजूद 6 बागी सांसदों में से एक भी नेता नहीं पहुंचा। वर्तमान में लोक सभा में उद्धव ठाकरे गुट के पास कुल 9 सांसद हैं। दिल्ली में बुलाई गई इस अहम बैठक में केवल 3 लोकसभा सांसद अनिल देसाई, अरविंद सावंत और नासिक से सांसद राजाभाऊ वाजे ही पहुंचे। इनके अलावा राज्य सभा सांसद संजय राउत इस बैठक में मौजूद रहे। शिवसेना विधायक चंद्रकांत रघुवंशी ने दावा किया है कि उद्धव सेना के नौ लोकसभा सदस्यों में से छह सदस्य पहले ही एकनाथ शिंदे की पार्टी में शामिल हो चुके हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर कोई नेता लोगों के लिए काम करना चाहता है, तो उसे शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी (BJP) के गठबंधन में शामिल हो जाना चाहिए। ज एजेंसी अठक के अनुसार, उन्होंने कहा महाराष्ट्र में 'ऑपरेशन टाइगर' हुआ है। आज छह सांसदों ने एकनाथ शिंदे पर भरोसा जताया और शिवसेना में शामिल हो गए... यह अच्छी बात है कि वे हमारे साथ आए हैं। मैं उनका स्वागत करता हूं। सूत्रों ने बताया है कि उसके नौ लोकसभा सदस्यों में से छह - संजय जाधव, भाऊसाहेब वाकचौरे, ओमराजे निंबालकर, संजय दीना पाटिल, संजय देशमुख और नागेश पाटिल अष्टिकर - गुरुवार को नई दिल्ली में हुई संसदीय बैठक में शामिल नहीं हुए।

ममता बनर्जी को हाई कोर्ट से बड़ा झटका! ऋतब्रत बनर्जी ही बने रहेंगे नेता प्रतिपक्ष, स्पीकर के फैसले पर रोक से इनकार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति में मचे घमासान के बीच सत्ता संग्राम अब अदालती गलियारों में पहुंच गया है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को एक बड़ा कानूनी झटका देते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट ने गुरुवार को राज्य विधानसभा के स्पीकर के उस फैसले पर अंतरिम रोक लगाने से साफ इनकार कर दिया, जिसमें बागी टीएमसी विधायक रिताब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष (LoP) के रूप में मान्यता दी गई थी। हाई कोर्ट के इस रुख के बाद फिलहाल रिताब्रत बनर्जी अपने पद पर बने रहेंगे और स्पीकर रथिन बसु का फैसला पूरी तरह प्रभावी रहेगा।

फिलहाल, रिताब्रत बनर्जी नेता प्रतिपक्ष बने रहेंगे और स्पीकर रथिन बसु का फैसला लागू रहेगा, क्योंकि कोर्ट ने स्पीकर के फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया।

जस्टिस कृष्णा राव ने कहा कि इस मामले में अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी। उन्होंने सभी पक्षों को सुनवाई की अगली तारीख से पहले अपने हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया।

आदेश में कहा गया, 'इस कोर्ट को याचिकाकर्ता के मामले में अंतरिम आदेश देने के लिए कोई प्रथम दृष्टया मामला या सुविधा का संतुलन (balance of convenience) नहीं मिला, इसलिए अंतरिम आदेश देने से इनकार किया जाता है।'

याचिकाकर्ता, TMC विधायक और ममता बनर्जी के करीबी शोवनदेब चट्टोपाध्याय ने स्पीकर के फैसले पर अंतरिम रोक की मांग करते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

बुधवार को कोर्ट ने स्पीकर की ओर से पेश हुए एडिशनल एडवोकेट जनरल बिल्वदल भट्टाचार्य से पूछा कि स्पीकर ने 9 मई को मिले उस पत्र को क्यों लंबित रखा, जिसमें शोवनदेब चट्टोपाध्याय को नेता प्रतिपक्ष बनाने का प्रस्ताव था। कोर्ट ने गौर किया कि स्पीकर ने उस आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं की, लेकिन बागी गुट से 3 जून को मिले एक अन्य पत्र पर कार्रवाई करते हुए रिताब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष घोषित कर दिया।

कोर्ट ने आगे सवाल किया कि स्पीकर की ओर से इस बात का कोई स्पष्टीकरण क्यों नहीं दिया गया कि पहले आवेदन को नजरअंदाज क्यों किया गया, जबकि दूसरे को लगभग तुरंत स्वीकार कर लिया गया। विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस की करारी हार के बाद, उसकी विधायी पार्टी में फूट पड़ गई। पार्टी के ज्यादातर विधायक 'बागी' हो गए। पार्टी नेतृत्व ने वरिष्ठ नेता शोवनदेब चट्टोपाध्याय को विधायी पार्टी का नेता बनाने का प्रस्ताव दिया था।

हालांकि, पार्टी के फैसले को दरकिनार करते हुए रिताब्रत ने 58 विधायकों का समर्थन हासिल किया और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बन गए। इससे पहले, 1 जून को तृणमूल नेतृत्व ने 'पार्टी विरोधी गतिविधियों' के आरोप में रिताब्रत को पार्टी से निकालने का फैसला किया था।

राहुल गांधी का छात्रों से आह्वान: 'स्टूडेंट्स इको' से जुड़कर शिक्षा-रोजगार पर उठाएं आवाज

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को छात्रों और नौकरी चाहने वालों से हाल ही में शुरू किए गए 'छात्रों की गूंज' अभियान से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस पहल का मकसद शिक्षा, परीक्षाओं और रोजगार से जुड़े उनके मुद्दों को सीधे सरकार तक पहुंचाना है। पर एक पोस्ट में गांधी ने हिंदी में लिखा कि अगर आपने पेपर लीक, परीक्षा में धोखाधड़ी या बहुत ज्यादा फीस का दर्द सहा है। अगर इस सिस्टम ने आपके सपने तोड़ दिए हैं। अगर आपके परिवार ने आपकी पढ़ाई में अपनी ज़िंदगी भर की कमाई लगा दी है। तो सुनिए: 'स्टूडेंट्स इको' आपकी आवाज है। उन्होंने इस मुहिम को सिर्फ एक मुहिम से कहीं ज्यादा बताया और इसे सरकार के सामने सस्ती शिक्षा, निष्पक्ष परीक्षाओं और सम्मानजनक रोजगार से जुड़ी माँगें उठाने का एक मंच कहा। गांधी ने सुझाव देकर और इससे जुड़ी याचिका पर हस्ताक्षर करके इसमें शामिल होने की अपील की और जोर देते हुए कहा कि आपका एक हस्ताक्षर इस लड़ाई को मजबूत करेगा। जितने ज्यादा नाम होंगे, आवाज उतनी ही बुलंद होगी। गांधी द्वारा शेयर की गई कैंपेन की जानकारी के अनुसार, प्रतिभागी अपनी जानकारी देकर, सुझाव शेयर करके और पिटीशन पर साइन करके इसमें शामिल हो सकते हैं। यह अभियान कांग्रेस पार्टी की उस व्यापक कोशिश का हिस्सा है जिसके तहत छात्रों और नौकरी चाहने वालों से जुड़े मुद्दों—जैसे परीक्षा से जुड़े विवाद, भर्ती में अनियमितताएं और पढ़ाई का खर्च—को उजागर किया जा रहा है। इससे पहले, कांग्रेस ने भारत की शिक्षा व्यवस्था को लेकर 'छात्रों की गूंज' नाम से एक देशव्यापी अभियान की घोषणा की थी।

'आपकी सैलरी 2 लाख, आपके ड्राइवर की 20K: ', जब परिसीमन पर सीएम नायडू को शशि थरूर ने समझाया मैथ्स!

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के उस बयान का विरोध किया जिसमें उन्होंने केंद्र के प्रस्तावित परिसीमन (delimitation) ढांचे का बचाव किया था।

उन्होंने तर्क दिया कि अगर सभी राज्यों में लोकसभा सीटें समान रूप से बढ़ाई भी जाती हैं, तब भी राजनीतिक प्रभाव बड़े राज्यों की तरफ ही झुकेगा। थरूर ने यह प्रतिक्रिया तब दी जब नायडू ने संसद में संविधान संशोधन विधेयक को रोकने के लिए विपक्ष की आलोचना की और कहा कि परिसीमन को लेकर चिंताएं बेबुनियाद हैं।

बता दें, अप्रैल में संसद के विशेष सत्र के दौरान पेश किए गए संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2026 में लोकसभा की संख्या 543 से बढ़ाकर 850 करने, और परिसीमन को 2011 की जनगणना से जोड़ने का प्रस्ताव था। इसमें सभी राज्यों के लिए लोकसभा सीटों की संख्या में आनुपातिक रूप से 50% की बढ़ोतरी का प्रस्ताव भी था।

यह विधेयक जरूरी दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में विफल रहा। मतदान करने वाले 528 सदस्यों में से 298 ने विधेयक का समर्थन किया जबकि 230 ने इसका विरोध किया। इसे पास कराने के लिए कम से कम 352 वोटों की जरूरत थी।

आपकी सैलरी 2 लाख, आपके ड्राइवर की 20 हजार- शशि थरूर

थरूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा, नायडू जी आइए एक विचार-प्रयोग करते हैं। मान लीजिए आपकी सैलरी 2 लाख है और आपके ड्राइवर की 20,000 है।

आप सभी के लिए 50% बढ़ोतरी की घोषणा करते हैं। अब आपकी सैलरी 3 लाख है और आपके ड्राइवर की 30,000 है। प्रतिशत या आनुपातिक बढ़ोतरी तो एक जैसी है, लेकिन क्या आप अपने ड्राइवर की तुलना में पहले से कहीं बेहतर स्थिति में नहीं हैं?

थरूर ने तर्क दिया कि दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने यही चिंता जताई है कि भले ही सीटों में बढ़ोतरी आनुपातिक हो, लेकिन राजनीतिक संतुलन काफी बदल जाता है।

उदाहरण का जिक्र करते हुए उन्होंने पूछा कि क्या सच में कोई अंतर नहीं होगा अगर उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व 80 सांसदों से बढ़कर 120 हो जाए और केरल का 20 से बढ़कर 30 हो जाए। उन्होंने कहा कि संख्यात्मक अनुपात भले ही समान रहे, लेकिन राजनीतिक वजन में भारी अंतर एक गंभीर चिंता का विषय बना रहेगा।

'तमिलनाडु दो-भाषा प्रणाली का करती रहेगी पालन', विधानसभा में राज्यपाल ने रखा टीवीके सरकार का विजन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल विश्वनाथ अर्लेकर ने गुरुवार को 17वीं तमिलनाडु विधानसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार के नीतिगत विजन को पेश किया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार तमिल और अंग्रेजी पढ़ाने की मौजूदा दो-भाषा नीति का पालन करना जारी रखेगी। राज्यपाल अर्लेकर ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लेकर राज्य सरकार के कड़े विरोध को दोहराया। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा समग्र शिक्षा अभियान के तहत राज्य के 3,458 करोड़ रुपये के फंड को कथित तौर पर रोकने के लिए उसकी कड़ी आलोचना की।

अर्लेकर ने कहा कि केंद्र सरकार की यह शर्त कि समग्र शिक्षा अभियान के तहत तमिलनाडु को मिलने वाले 3,458 करोड़ रुपये तभी जारी किए जाएंगे जब राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत तीन-भाषा फॉर्मूले को लागू किया जाएगा, यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है।' उन्होंने केंद्र से अपने इस रुख पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया।

तमिल भाषा का संरक्षण सरकार का मुख्य स्तंभ

राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा टीवीके सरकार अपने वेट्री तमिझगम विजन डॉक्यूमेंट के तहत तमिल भाषा के संरक्षण को अपना सबसे प्रमुख स्तंभ मानती है। उन्होंने याद दिलाया कि1968 में जब पेरारिग्नर अन्ना मुख्यमंत्री थे, तब तमिलनाडु विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया गया था कि तीन-भाषा फॉर्मूले को हटाकर केवल दो भाषाएं तमिल और अंग्रेजी पढ़ाई जानी चाहिए।

तब से लेकर आज तक तमिलनाडु में दो-भाषा नीति को अपनाया गया है। यह सरकार भी इसी नीति का पालन करेगी क्योंकि तमिलनाडु की जनता ने इसे स्वीकार किया है।

शिक्षा को राज्य सूची में शामिल करने की मांग

केंद्र की तीन-भाषा नीति की शर्त को अस्वीकार्य बताते हुए, राज्यपाल ने केंद्र सरकार से शिक्षा के विषय को संविधान की समवर्ती सूची से हटाकर राज्य सूची में शामिल करने का आग्रह किया।

उनका कहना था, 'शिक्षा के समवर्ती सूची में होने के कारण ही नीट परीक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति थोपने और तीन-भाषा फॉर्मूले जैसे विवाद उत्पन्न हुए हैं। इसलिए, यह सरकार शिक्षा को समवर्ती सूची से राज्य सूची में ले जाने के लिए हर आवश्यक प्रयास करेगी।'

न्यायपालिका से जुड़ी अहम मांगें

अपने संबोधन में राज्यपाल ने केंद्र सरकार के सामने दो प्रमुख मांगें भी रखीं कि मद्रास उच्च न्यायालय और इसकी मदुरै पीठ में तमिल को न्यायिक कार्यवाही की भाषा के रूप में अनुमति दी जाए। दक्षिण भारत के लोगों की पहुंच को आसान बनाने के लिए चेन्नई में सुप्रीम कोर्ट की एक स्थायी पीठ स्थापित की जाए।

डीएमके और सत्ता पक्ष में तकरार

इससे पहले, डीएमके नेता टी.के.एस. एलनगोवन ने तमिलनाडु की वित्तीय स्थिति पर राज्य सरकार द्वारा जारी किए गए श्वेत पत्र की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम राजनीति से प्रेरित है और चुनिंदा रूप से केवल पिछली डीएमके सरकार को निशाना बनाने के लिए उठाया गया है, जबकि केंद्र सरकार की आलोचना से बचा जा रहा है।

समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, तमिलनाडु के वित्त मंत्री मैरी विल्सन द्वारा जारी किए गए इस दस्तावेज पर प्रतिक्रिया देते हुए एलनगोवन ने कहा कि नई सरकार राज्यों को मिलने वाले वित्तीय आवंटन पर केंद्र से सवाल करने को तैयार नहीं है।

उन्होंने कहा, 'वे इस बात की परवाह नहीं करते कि असल में क्या हो रहा है। वे राज्यों को पर्याप्त धन न देने के मुद्दे पर भारत सरकार के खिलाफ कुछ नहीं बोलना चाहते क्योंकि वे बीजेपी सरकार से डरते हैं।' एलनगोवन ने आगे आरोप लगाया कि राज्य के अच्छे आर्थिक प्रदर्शन के बावजूद, इस श्वेत पत्र का उद्देश्य राजनीतिक रूप से डीएमके को घेरना है।

दूसरी ओर, वित्त मंत्री मैरी विल्सन ने राज्य की राजकोषीय स्थिति को 'मानव निर्मित आपदा' करार दिया और पिछली सरकार के दौरान प्रशासनिक विफलता और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया।

हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट आश्वासन दिया कि मौजूदा सरकार के नेतृत्व में जनता से जुड़ी सभी कल्याणकारी योजनाएं सुचारू रूप से जारी रहेंगी।

संपादक की कलम से

आत्मनिर्भरता स्वाभिमानी राष्ट्र का प्रतीक

स्वावलंबन या आत्मनिर्भरता ही मनुष्य को स्वाधीन बनाने की प्रेरणा देती है। आत्मनिर्भरता की स्थिति में व्यक्ति अपनी इच्छाओं अपनी सुविधा अनुसार पूरा कर सकता है, इसके लिए दूसरों की तरफ मुंह ताकने की जरूरत नहीं पड़ती है। आत्मनिर्भरता केवल मनुष्य के लिए व्यक्तिगत रूप से ही जरूरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र के लिए भी अति आवश्यक है ।एक स्वतंत्र राष्ट्र अपनी जनता को अपनी क्षमता के अनुसार सारी सुविधाएं तथा अन्य जीवन उपयोगी साधन उपलब्ध करा सकता है। भारत स्वतंत्रता के बाद हरित क्रांति सातवें दशक के प्रारंभ के बाद ही खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन सका, इसके साथ ही भारत में खुशहाली की स्वाभाविक तौर पर वृद्धि हुई, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी कहा था कि 'एक राष्ट्र की शक्ति उसकी आत्मनिर्भरता में है दूसरों से उधार लेकर काम चलाने में नहीं',पाकिस्तान की स्थिति बिल्कुल ऐसी ही है वह अभी तक स्वतंत्रता के बाद से 75 वर्ष के बाद भी संपूर्ण रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है, वह कर्जे से डूब गया है और अपने देश में खर्चा चलाने के लिए पूरी दुनिया से उधार मांगते हुए घूम रहा है। पाकिस्तान आत्मनिर्भर नहीं होने का एवं उधार की जिंदगी जीने का एक बहुत बड़ा उदाहरण है। जबकि भारत देश विज्ञान, टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंस,इंजीनियरिंग और कृषि सेवा, खनिज,स्पेस रिसर्च में पूर्णता आत्मनिर्भर होकर विकसित देशों के बराबर खड़ा हुआ है। यह देशवासियों और देश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। आत्मनिर्भरता या स्वावलंबन किसी भी देश की प्रगति विकास तथा और उसके नागरिकों की जिंदगी की जिजीविषा है जिससे वह संघर्ष कर आगे बढ़ता है। इतिहास गवाह है कि किसी भी महान लेखक को महान बनने तक निरंतर मेहनत कर किताबें लिखने का का श्रम करना पड़ा एवं आत्मनिर्भरता की स्थिति में विचार कर अपने विचारों को लिपिबद्ध करना पड़ा तब जाकर वह महानता की श्रेणी को प्राप्त कर सका। इसी तरह कोई छात्र अपने जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है तो उसे स्वयं परीक्षा में शामिल होना पड़ेगा एवं परीक्षा में मनोवांछित सफलता प्राप्त कर उसे स्वयं अध्ययन करना होगा। इसी प्रकार जीवन के हर क्षेत्र में भी मनुष्य को आत्मनिर्भर होकर मेहनत कर दीक्षित सफलता प्राप्त करनी पड़ेगी। हमारा देश भारत भी आजादी के बाद से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रेषित हुआ आज स्थिति यह है कि वह विश्व में विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ खड़ा हुआ है। तमाम महापुरुषों के जीवन से भी हमें आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की शिक्षा मिलती रहती है ।महात्मा गांधी अपना कार्य स्वयं किया करते थे। गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी 'दैव दैव आलसी' पुकारा है, तब जाकर उनकी जिंदगी पटरी पर आई और हमें परिश्रम कर आत्म निर्भर होने की शिक्षा प्रदान की थी। दूसरों पर निर्भरता हमें दूसरों का अनुसरण करने के लिए मजबूर करती है। दूसरों पर निर्भर होने से हमें के अनुरूप ही जीवन जीने के लिए बाध्य होना पड़ता है। पराधीनता हमारा आत्मविश्वास सृजनशीलता सोचने की शक्ति को नष्ट कर देती है। गुलामी एक अभिशाप होती है, आत्मनिर्भरता की कमी हमें किंकर्तव्यविमूढ़ बना देती है। दूसरों की कृपा पर जीने वाला व्यक्ति जीवन के अक्षय आनंद से वंचित रहता है। खुद के परिश्रम श्रम से आगे बढ़ने वाला देश या व्यक्ति या समाज सदैव प्रफुल्लित आत्म विश्वासी तथा विकास की ओर सदैव अग्रसर रहता है। हमें सदैव अपने अंदर के आत्मविश्वास, छिपी हुई क्षमताओं मनोबल का सहारा लेकर आत्मनिर्भर या स्वावलंबी बनने का प्रयास हमेशा करते रहना चाहिए।

ललित शर्मा
संपादक

भविष्य के नाम पर वर्तमान की लूट

एन0के0शर्मा
लेखक

जब भी किसी समाज से उसका वर्तमान छीनना हो, उसके सामने भविष्य का एक चमकदार स्वप्न रख दीजिए। इतिहास इस सरल किन्तु भयावह सूत्र का बार-बार साक्षी रहा है। सत्ता, बाजार, साम्राज्य, विचारधाराएँ और यहाँ तक कि अनेक सामाजिक आन्दोलन भी अक्सर इसी मनोवैज्ञानिक तंत्र का उपयोग करते रहे हैं। भविष्य के स्वर्णिम वादों की चमक में वर्तमान की वास्तविकताओं को इतना धुँधला कर दिया जाता है कि लोग अपनी आँखों के सामने हो रही लूट को भी विकास, परिवर्तन, सुधार और प्रगति का नाम देकर स्वीकार करने लगते हैं। यही हमारे समय की सबसे बड़ी त्रासदी है–भविष्य के नाम पर वर्तमान की संगठित और वैध घोषित लूट।

आज का युग घोषणाओं का युग है। हर दिशा से एक ही आवाज सुनाई देती है–'कल बेहतर होगा।' सरकारें कहती हैं कि कुछ कठिनाइयाँ अभी सह लीजिए, आने वाला कल समृद्ध होगा। कंपनियाँ कहती हैं कि आज त्याग कर दीजिए, भविष्य में सुविधा मिलेगी। वित्तीय संस्थाएँ कहती हैं कि वर्तमान की बचत और वर्तमान की मेहनत उनके हवाले कर दीजिए, भविष्य सुरक्षित हो जाएगा। तकनीकी संस्थान कहते हैं कि आज अपनी निजता छोड़ दीजिए, कल जीवन आसान हो जाएगा। शिक्षा व्यवस्था कहती है कि आज का बचपन कुर्बान कर दीजिए, भविष्य उज्ज्वल होगा। और इस प्रकार धीरे-धीरे मनुष्य का वर्तमान, जो उसके जीवन की सबसे वास्तविक और सबसे मूल्यवान पूँजी है, लगातार गिरवी रखा जाता रहता है। विडम्बना यह है कि भविष्य स्वयं कभी आता नहीं। जब वह आता है तो वर्तमान बन जाता है। अर्थात् मनुष्य का सम्पूर्ण जीवन उस भविष्य के पीछे भागते हुए बीत जाता है जो कभी भविष्य रहता ही नहीं। परिणाम यह होता है कि वर्तमान की पीढ़ियाँ अपने अधिकार, अपनी खुशियाँ, अपने संसाधन और अपनी स्वतंत्रता त्यागती रहती हैं, जबकि लाभ का बड़ा भाग कुछ सीमित शक्तियों के हाथों में केन्द्रित होता चला जाता है। आर्थिक क्षेत्र में यह लूट सबसे स्पष्ट दिखाई देती है। विकास के नाम पर विशाल परियोजनाएँ बनाई जाती हैं। कहा जाता है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए यह आवश्यक है। लेकिन उन परियोजनाओं के कारण आज विस्थापित होने वाले किसान, जंगल खोने वाले आदिवासी, प्रदूषण झेलने वाले नागरिक और अपनी आजीविका खोने वाले श्रमिक अक्सर उस विकास के लाभ से वंचित रह जाते हैं। जिनके खेत छिनते हैं, वे विकास के आँकड़ों में शामिल नहीं होते। जिनकी नदियाँ सूखती हैं, उनकी पीड़ा सकल घरेलू उत्पाद में दर्ज नहीं होती। जिनकी संस्कृति नष्ट होती है, उनके आँसू किसी आर्थिक सर्वेक्षण में दिखाई नहीं देते। कई बार विकास का अर्थ कुछ लोगों के लिए अवसर और बहुतों के लिए विस्थापन बन जाता है। भविष्य की समृद्धि के नाम पर वर्तमान की असमानता को स्वीकार्य बना दिया जाता है। यह प्रश्न बहुत कम पूछा जाता है कि यदि विकास वास्तव में जनहितकारी है तो उसका बोझ हमेशा समाज के सबसे कमजोर वर्गों पर ही क्यों पड़ता है? क्यों हर बड़े परिवर्तन की कीमत गरीब, किसान, मजदूर और आम नागरिक ही चुकाता है? शिक्षा के क्षेत्र में भी यह प्रवृत्ति भयावह रूप से दिखाई देती है। बच्चों को बचपन से ही भविष्य की दौड़ में धकेल दिया जाता है। उन्हें बताया जाता है कि आज का खेल, आज की जिज्ञासा, आज की रचनात्मकता और आज की स्वतंत्रता महत्वहीन है; महत्व केवल उस भविष्य का है जहाँ सफलता, नौकरी और आर्थिक सुरक्षा प्राप्त होगी। परिणामस्वरूप शिक्षा ज्ञान का नहीं, प्रतिस्पर्धा का कारखाना बनती जा रही है। लाखों बच्चे वर्तमान की सहजता खोकर एक ऐसे भविष्य के लिए संघर्ष कर रहे हैं जिसकी कोई गारंटी नहीं है। इसी प्रकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी विडम्बना दिखाई देती है। आधुनिक समाज फिटनेस, दीर्घायु और भविष्य की सुरक्षा के नाम पर अरबों डॉलर का उद्योग खड़ा कर चुका है। लेकिन वर्तमान में स्वच्छ हवा, शुद्ध जल, संतुलित जीवन और मानसिक शांति जैसी मूलभूत आवश्यकताएँ लगातार संकट में हैं। मनुष्य भविष्य में स्वस्थ रहने की योजनाएँ बनाते-बनाते वर्तमान में बीमार होता जा रहा है। तकनीक ने इस प्रक्रिया को और अधिक परिष्कृत बना दिया है। डिजिटल क्रांति को मानव इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिना जाता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि तकनीक ने अनेक सुविधाएँ प्रदान की हैं। किन्तु इसके साथ एक गम्भीर प्रश्न भी जुड़ा हुआ है। क्या सुविधा के बदले हम अपनी निजता, स्वतंत्रता और स्वायत्तता का त्याग नहीं कर रहे? भविष्य की स्मार्ट दुनिया के नाम पर वर्तमान में मनुष्य की प्रत्येक गतिविधि, प्रत्येक पसंद और प्रत्येक व्यवहार को डेटा में परिवर्तित किया जा रहा है। यह डेटा आज के युग का नया सोना है। आम नागरिक सुविधा का उपभोक्ता बनता है, जबकि उसकी व्यक्तिगत जानकारी विशाल आर्थिक और राजनीतिक शक्ति का स्रोत बन जाती है। लोकतंत्र भी इस संकट से अछूता नहीं है। चुनावी राजनीति में भविष्य के वादे सबसे शक्तिशाली हथियार बन चुके हैं। बेहतर कल, नए अवसर, विकास, सुरक्षा और समृद्धि के सपनों के बीच वर्तमान के प्रश्न अक्सर दब जाते हैं। जनता से कहा जाता है कि कुछ वर्षों की प्रतीक्षा करिए, परिवर्तन अवश्य आएगा। लेकिन कई बार यह प्रतीक्षा एक स्थायी राजनीतिक संस्कृति में बदल जाती है, जहाँ भविष्य का वादा वर्तमान की जवाबदेही को निगल जाता है। सबसे चिंताजनक स्थिति पर्यावरण के क्षेत्र में दिखाई देती है। पृथ्वी को बचाने की योजनाओं, सम्मेलनों और घोषणाओं की कमी नहीं है। दुनिया भर में भविष्य की पीढ़ियों के लिए सतत विकास की बातें होती हैं। लेकिन वर्तमान में जंगल कट रहे हैं, नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, जैव विविधता नष्ट हो रही है और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव करोड़ों लोगों को प्रभावित कर रहे हैं। भविष्य को बचाने के नाम पर वर्तमान को लगातार क्षतिग्रस्त किया जा रहा है। यह विरोधाभास हमारी सभ्यता के नैतिक संकट को उजागर करता है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में यह प्रश्न और अधिक गहरा हो जाता है। भारत की सभ्यता ने सदियों तक वर्तमान और भविष्य के बीच संतुलन की शिक्षा दी। यहाँ विकास केवल भौतिक समृद्धि नहीं था, बल्कि धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के संतुलित समन्वय का विचार था। जीवन को केवल आने वाले कल की तैयारी नहीं माना गया, बल्कि प्रत्येक क्षण को सार्थक और पवित्र माना गया। किन्तु आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति ने इस दृष्टिकोण को चुनौती दी है। अब सफलता का मूल्यांकन वर्तमान की गुणवत्ता से नहीं, भविष्य की संभावनाओं से किया जाता है। यह सोच मनुष्य को एक स्थायी असंतोष की अवस्था में रखती है। वह जो है, उससे संतुष्ट नहीं होता क्योंकि उसे लगातार बताया जाता है कि भविष्य में कुछ और बेहतर मिलेगा। परिणामस्वरूप उपभोग बढ़ता है, ऋण बढ़ता है, मानसिक तनाव बढ़ता है और सामाजिक असंतुलन गहराता है। बाजार को ऐसे ही नागरिक चाहिए–जो वर्तमान से असंतुष्ट हों और भविष्य के सपनों के लिए लगातार खरीदते रहें। भविष्य की चिंता आवश्यक है, किन्तु जब वह वर्तमान की उपेक्षा का साधन बन जाए तो वह चिंता नहीं, शोषण का उपकरण बन जाती है। किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति का मापदंड यह नहीं होना चाहिए कि उसने भविष्य के कितने भव्य वादे किए, बल्कि यह होना चाहिए कि उसने अपने वर्तमान नागरिकों को कितना सम्मान, सुरक्षा, न्याय और गरिमा प्रदान की। किसी राष्ट्र की महानता उन गगनचुम्बी योजनाओं में नहीं होती जो आने वाले दशकों के लिए बनाई जाती हैं, बल्कि उस संवेदनशीलता में होती है जिसके द्वारा वह आज के भूखे को भोजन, आज के बेरोजगार को अवसर, आज के किसान को सम्मान, आज के विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आज के नागरिक को न्याय प्रदान करता है। यदि वर्तमान पीढ़ी पीड़ा में है और भविष्य के नाम पर केवल आश्वासनों का संग्रह प्राप्त कर रही है, तो वह विकास नहीं बल्कि एक नैतिक विफलता है। सभ्यताएँ केवल भविष्य के सपनों से नहीं टिकतीं। वे वर्तमान की न्यायपूर्ण व्यवस्था, मानवीय संवेदना और सामाजिक संतुलन पर टिकती हैं। जो समाज अपने वर्तमान को नष्ट करके भविष्य का महल बनाना चाहता है, वह अंततः रेत पर निर्माण करता है। क्योंकि भविष्य का सबसे मजबूत आधार वर्तमान ही होता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम हर उस दावे, हर उस नीति, हर उस परियोजना और हर उस विचार से एक सरल प्रश्न पूछें–क्या यह वास्तव में भविष्य का निर्माण कर रहा है, या भविष्य का नाम लेकर वर्तमान की लूट को वैध बना रहा है? यही प्रश्न हमारे समय का सबसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक, नैतिक और मानवीय प्रश्न है। यदि हम इस प्रश्न को पूछना छोड़ देंगे, तो भविष्य के नाम पर वर्तमान की यह लूट केवल संसाधनों की लूट नहीं रहेगी; यह मनुष्य के अधिकारों, उसकी चेतना, उसकी संस्कृति, उसकी स्वतंत्रता और उसके अस्तित्व की लूट बन जाएगी। और तब इतिहास यह दर्ज करेगा कि एक पूरी सभ्यता ने अपने आज को इसलिए खो दिया क्योंकि उसे कल के सपनों में उलझाए रखा गया था।

जल्दबाजी नहीं, विवेक से निर्णय लें: हर परिस्थिति के दो पहलुओं को समझना क्यों है जरूरी?

किशन भावनानीं
लेखक

मानव के व्यावहारिक जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न होती है जहां उस विशेष अनियोजित परिस्थितियों में अचानक ही निर्णय लेने की जरूरत होती है बस !यही वह समय होता है जब अपनी बुद्धि कौशलता के साथ हमें बड़े बुजुर्गों द्वारा कही गई कहावतों, मुहावरों, विचारों को रेखांकित करने की अत्यंत तात्कालिक जरूरत होती है मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र से, मेरा मानना है कि उससे हमें अति उच्च गुणवत्ता का सकारात्मक निर्णय लेने में आसानी होती है,जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम होते हैं और उन परिस्थितियों में पढ़ने वाले विपरीत नुकसान, दुष्परिणामों से बचा जा सकता है जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम निकलते हैं और हम उसका श्रेय बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद के रूप में ले सकते हैं।

साथियों बात अगर हम व्यवहारिक जीवन में निर्णय लेने की करें तो यह दो प्रकार का हो सकता है नियोजित और अनियोजित निर्णय, ऐसे निर्णय जो किसी परिस्थिति विशेष पर अकस्मात लेने पड़ते हैं जिसके लिए कोई पूर्व योजना नहीं होती है अनियोजित निर्णय कहलाते हैं। इसके विपरीत ऐसे निर्णय जो किसी पूर्व योजना पर आधारित होते हैं, नियोजित निर्णय कहलाते हैं। नियोजित निर्णय ठोस तथ्यों पर आधारित होते हैं क्योंकि यह पूर्व निर्धारित योजना पर आधारित होते हैं। साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों की कहावतों की करें तो, कहावत उस छोटे से वाक्य या लाइन को कहा जाता है जिसके माध्यम से बड़ी-बड़ी बातें कह दी जाती है। गाँव, घर में अक्सर बड़े-बुजुर्गों के द्वारा बहुत सारी कहावतें सुनने को मिलती है। इन कहावतों को स्कूल में नही पढाया जाता है, इसे ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों के लोग बोलने में प्रयोग करते है। बहुत सारी ऐसी कहावतें होती है जो घर की महिलाओं के द्वारा प्रयोग की जाती है, कई बार गाँव में बड़े बुजुर्गों की कहावत का अर्थ तो पढ़े लिखे लोग भी नहीं निकाल पाते है, और शर्म में हाँ में हाँ मिलाकर आगे बढ़ जाते है। साथियों बात अगर हम तुरंत निर्णय लेने वाली परिस्थितियों की करें तो, मानव जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियां आती है जब मनुष्य समझ नहीं पाता कि उसे किस तरह उस परिस्थिति का सामना करना है । परिस्थितिवश उत्पन्न स्थिति स्वयं में इतनी उलझी होती है की अगर सूझ बूझ और दूर दृष्टि का सहारा न लिया जाये तो निर्णय गलत होने की पूरी सम्भावना रहती है ।अनेको बार छोटी छोटी बातें हमें नकारात्मक गहराई तक प्रभावित करती हैं । ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर बेहतर तो यह है की हम शांति और धैर्य से उस परिस्थिति का विश्लेषण करें तथा उस स्थिति के पक्ष विपक्ष दोनों के बारे में सोंचे क्योंकि प्रत्येक स्थिति के दो पहलू होते है , एक अगर सकारात्मक है तो दूसरा नकारात्मक अवश्य होगा ।हमें परिस्थिति के गुण दोष के आधार पर निर्णय लेना चाहिए न कि जल्दबाजी में या घबराकर कोई कदम उठाना चाहिए जिससे की हमारे पक्ष में होने वाली बात का भी विपरीत असर हो जाये ।सबसे बड़ी बात हमें किसी भी विपरीत स्थिति में धैर्य , सहनशीलता और शांति से निर्णय लेने की आदत डालनी चाहिए अगर ऐसा हुआ तो हम अपने जीवन में अवश्य सफल होंगे । साथियों बात अगर हम कानों सुनी और आंखों देखी पर भी सोच समझकर निर्णय लेने की करें तो, आँखों देखी या कानों से सुनी हर बात सत्य हो, यह आवश्यक नहीं है। हम उस एक ही पक्ष को देखते और सुनते हैं, जो हमें प्रत्यक्ष दिखाई या सुनाई देता है। उसके दूसरे पहलू के विषय में जानकारी न होने के कारण हम कोई विशेष धारणा बना लेते हैं। जब हमारा वास्तविकता से सामना होता है तब पश्चाताप करना पड़ता है। अपनी नजरों को झुकाकर क्षमा-याचना करनी पड़ती है। उस दयनीय स्थिति से बचने के लिए मनुष्य को सावधान रहना चाहिए। उसे ऐसा कुछ भी नहीं कहना चाहिए जो उसके तिरस्कार का कारण बन जाए। साथियों बात अगर हम परिस्थितियों पर निर्भर सटीक निर्णय लेने की करें तो, आधा-अधूरा ज्ञान सदा ही विध्वंस कारक होता है। जो भी देखें या सुने उसे निकष पर कसें। इससे भी बढ़कर यह जानने का प्रयास करना चाहिए कि हमारी सोच कहाँ तक सही है। किसी भी घटना के सारे पहलुओं को जाने बिना कोई धारणा नहीं बनानी चाहिए। इसके अतिरिक्त चटकारे लेकर, मिर्च-मसाला लगाकर दूसरों को अपमानित करने की प्रवृत्ति से बचना चाहिए। ऐसे अफवाहें फैलाने वालों की जब पोल खुल जाती है तो वे कहीं के भी नहीं रह जाते। लोग उन पर विश्वास करना छोड़ देते हैं और उनकी बातों को सीरियसली न लेकर मजाक में उड़ा देते हैं। इसलिए मनुष्य को ऐसी स्थितयों से बचना चाहिए। उसे एक जिम्मेदार मनुष्य बनने का प्रयास करना चाहिए। साथियों बात अगर हम परिस्थितियों व निर्णय पर बीरबल और अकबर के सीख वाले किस्से की करें तो उपरोक्त कहावतों को सटीकता से समझने के लिए, मेरे पिताजी द्वारा बताया गया किस्सा जरूर सुनना चाहिए, राजा अकबर जंगल में शिकार करते हुए रास्ता भटक गए, देर होने के कारण रानी साहिबा ने नौकर को रूम बेड क्लीन का आदेश दिया नौकर नें रूम में मखमली बेड को देखा तो दिल बेड पर एक बार सोने के लिए ललचाया और वह चादर ओढ़ कर सो गया उसे नींद आ गई! !उधर रानी साहिबा भी अपनी धुन में ही आई और बेड पर राजा आराम फरमा रहे हैं समझकर उन पर हाथ रख कर सो गई। जब देर रात्रि राजा अपने रूम में आया तो किसी और के साथ रानी को सोते देख गुस्से से लाल हुआ और बंदूक निकाल कर दोनों को गोली से उड़ाने ही वाले थे कि उन्हें बीरबल की बात याद आई कि कानों सुनी तो क्या आंखों देखी पर भी विश्वास नहीं करना चाहिए!! इसलिए राजा रुक गया और इंतजार किया!! जब रानी और नौकर की नींद टूटी तो दोनों बहुत भौचक्के रह गए और रानी ने नौकर पर चिल्लाया तब नौकर ने माफी मांगी और बेड पर सोने का अपना किस्सा सुनाया कि वह मखमली बेड देखकर वह सोया और रानी ने भी राजा समझ कर बेड पर सोई यह सच्चाई सुनकर राजा ने कहा बड़े बुजुर्गों की कहावतों के निर्णय नें आज रानी और नौकर की जान बचाई यह समझ में आया और दूसरे दिन बीरबल को बुलाकर पुरस्कृत किया।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरणका अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि जल्दबाजी नहीं, विवेक से निर्णय लें: हर परिस्थिति के दो पहलू समझना क्यों जरूरी है?आधा-अधूरा ज्ञान और त्वरित फैसलों का खतराः धैर्य, सोच और अनुभव की शक्तिबीरबल की सीख से जीवन प्रबंधन तकः आंखों देखी सच्चाई भी क्यों हो सकती है अधूरी?,अनियोजित निर्णय लेते समय बड़े बुजुर्गों की कहावतों पर गौर करने से विपत्तियों से बचने और लक्ष्यों को प्राप्त करने में सुविधा होती है।

बाबा

मोनिका डागा

कविता

धीरे–धीरे अनुभव से सिखलाए जीने का तौर तरीका,
नन्हें सपनों में रंग भरने को दे पिता हाथों में तूलिका,
बेटा जहॉ राज दुलारा और बिटिया कहलाती मल्लिका,
थोड़ा डर ज्यादा अपनापन बाबा बिन लगता घर फीका ।

अपनों की हॅसी–खुशी के ही खातिर पिता पसीना बहाएं,
बाहर से सजाकर मुस्कान रोज ही भीतर चिंताएं दबाएं,
घर की जिम्मेदारियों को कंधों पर उम्र भर पिता उठाएं,
बच्चों की फरमाइशों में खुद के ख़्वाब जो भूल जाएं ।

हमें खुद से बेहतर बनाने को दिन रात करे जो परिश्रम,
अनबन हमारी सहकर भी नहीं कभी करें जो प्यार कम,
कभी सख्त रवैया भी अपनाएं पर ऑखे रहे सदा नम,
दुनिया से कदम से कदम मिला चलना सिखाएं हरदम ।

ऊॅगली थाम कर बाबा की हर मुश्किल छोटी हो जाती,
बस बाबा के एक संग होने से हिम्मत दुगनी हो जाती,
अंधेरों में भी छोटी सी दुनिया चमचम रोशन हो जाती,
सिर पर हाथ रख देने भर से किस्मत जगमग हो जाती ।

सीने में कितना दर्द छिपा क्या तुम्हें कुछ भी हैं मालूम,
पिता की रोक–टोक से मत हो जाना जरा भी गुमसुम,
छोटी–मोटी डांट डपट को सीने से चिपकाना मत तुम,
पिता का दाहिना हाथ बन मानना दिल से हर हुकुम ।

डांसिंग गर्ल: जिसे ढककर हम खुद को उजागर कर बैठे

प्रो. आरके जैन
लेखक

इतिहास बदलने के लिए बड़े फैसलों की जरूरत नहीं होती; कभी-कभी एक छोटी-सी शेडिंग ही काफी है। सिंधु घाटी सभ्यता की कांस्य प्रतिमा 'डांसिंग गर्ल' आज इसी कारण विवाद में है। मोहनजोदड़ो से प्राप्त लगभग 4500 वर्ष पुरानी (2500-2300 ईसा पूर्व) यह प्रतिमा भारतीय पुरातत्व की महत्वपूर्ण धरोहरों में गिनी जाती है। एक हाथ कमर पर रखे आत्मविश्वास से खड़ी यह किशोरी केवल कलाकृति नहीं, बल्कि उस सभ्यता की सहजता, कलाबोध और आत्मविश्वास का प्रमाण है। हाल ही में एनसीईआरटी की कक्षा 9 की कला शिक्षा पुस्तक 'मधुरिमा' में उसके नग्न धड़ को शेडिंग से ढक दिया गया। मामूली दिखने वाला यह बदलाव राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया। सवाल प्रतिमा का नहीं, उस दृष्टि का है जिससे हम अपने अतीत को देख रहे हैं। क्या हम इतिहास को उसके वास्तविक रूप में स्वीकार कर रहे हैं, या उसे अपने समय की नैतिक कसौटियों के अनुरूप बदल रहे हैं? डांसिंग गर्ल केवल प्रतिमा नहीं, एक सभ्यता का आत्मविश्वास है। लॉस्ट-वैक्स तकनीक से बनी यह 10.5 सेंटीमीटर कांस्य मूर्ति दिखाती है कि सिंधु सभ्यता धातु-कला, सौंदर्य-बोध और रचनात्मकता में कितनी विकसित थी। उसकी मुद्रा उस समाज की सहजता का प्रमाण है, जहाँ शरीर संकोच का विषय नहीं था। दशकों तक यह प्रतिमा एनसीईआरटी की पुस्तकों में बिना बदलाव प्रकाशित होती रही और लाखों विद्यार्थियों ने इसे इतिहास के प्रमाण के रूप में देखा। ऐसे में अचानक इसे 'उम्र के अनुकूल' बनाने की जरूरत क्यों महसूस हुई? क्या इतिहास को इतिहास की तरह दिखाना अब पर्याप्त नहीं है? यह बदलाव केवल चित्र का नहीं, बल्कि उस सोच का है जो अतीत को उसकी वास्तविकता से नहीं, बल्कि वर्तमान की असहजताओं से परिभाषित करती है। यह बदलाव केवल संपादन नहीं, इतिहास की पुनर्रचना जैसा है। इतिहासकार मिशेल डैनिनो ने इसकी कड़ी आलोचना करते हुए इसे 'सेंसरशिप' और 'फर्जी कलाकृति' का निर्माण बताया। उनका तर्क था कि किसी ऐतिहासिक वस्तु का मूल रूप बदलने पर विद्यार्थी वास्तविक इतिहास नहीं, बल्कि उसका संपादित संस्करण देखते हैं–यह बौद्धिक अन्याय है। उन्होंने इसे प्राचीन भारत पर विक्टोरियन नैतिकता थोपने की कोशिश भी कहा। विडंबना यह है कि जिस सभ्यता ने कला को सहज स्वीकार किया, उसके प्रतीकों पर आज कृत्रिम शालीनता लादी जा रही है। जबकि इतिहास का काम सुविधा के अनुसार बदलना नहीं, बल्कि असुविधाजनक सच्चाइयों से रूबरू कराना है। यह विवाद भारतीय सांस्कृतिक परंपरा की समझ पर सवाल खड़ा करता है। खजुराहो के मंदिर, कोणार्क का सूर्य मंदिर, अजंता-एलोरा की चित्रकला और गुप्तकालीन मूर्तिशिल्प बताते हैं कि भारतीय कला में मानव शरीर सदैव सौंदर्य और अभिव्यक्ति का माध्यम रहा है। यहाँ नग्नता को अश्लीलता नहीं, बल्कि स्वाभाविकता, शक्ति, सृजन और सौंदर्य का प्रतीक माना गया। कामसूत्र की परंपरा वाली इस सभ्यता में यदि आज अपनी ही कलात्मक विरासत पर असहजता होने लगे, तो प्रश्न उठता है–बदल इतिहास रहा है या हमारी दृष्टि? डांसिंग गर्ल की नग्नता अश्लीलता नहीं, उस युग की सांस्कृतिक सहजता का प्रमाण है। उसे ढकने का प्रयास उस समझ को ढकने जैसा है, जिसने उस कला को जन्म दिया था। इस विवाद की एक और परत भीतर का विरोधाभास खोलती है। एनसीईआरटी की कक्षा 6 की सामाजिक विज्ञान पुस्तक में यही प्रतिमा अपने मूल रूप में है, जबकि कक्षा 9 की कला शिक्षा पुस्तक में उसका संशोधित रूप दिखाया गया है। एक ही संस्था की दो पुस्तकों में एक ही ऐतिहासिक वस्तु के दो अलग-अलग रूप शिक्षा की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठाते हैं। क्या हम छात्रों को इतिहास पढ़ा रहे हैं या उसे अपने वर्तमान मानकों के अनुसार ढाल रहे हैं? यह केवल एक चित्र का मामला नहीं, बल्कि उस प्रवृत्ति का संकेत है जहाँ पाठ्यक्रम संशोधन के नाम पर इतिहास और पुरातत्व पर वैचारिक दबाव दिखने लगता है। जब तथ्य बदलते हैं, तो शिक्षा का आधार कमजोर पड़ता है। सांस्कृतिक संवेदनशीलता का तर्क नकारा नहीं जा सकता। कुछ अभिभावक और शिक्षक मानते हैं कि किशोर विद्यार्थियों के सामने नग्नता का प्रदर्शन सावधानी से होना चाहिए। लेकिन सवाल यह है–समाधान समझाना है या छिपाना? शिक्षा का दायित्व संदर्भ देना है, न कि तथ्य बदलना। यदि किसी कलाकृति में नग्नता है, तो छात्रों को बताया जा सकता है कि प्राचीन कला में उसका अर्थ आधुनिक दृष्टि से अलग था–वह शक्ति, सौंदर्य, स्वतंत्रता और स्वाभाविकता का प्रतीक भी हो सकती है। हर असहज तथ्य पर शेडिंग चढ़ाते रहेंगे तो अगली पीढ़ी इतिहास नहीं, उसका सुविधाजनक संस्करण पढ़ेगी। तब पाठ्यपुस्तकें दस्तावेज कम और कल्पना अधिक बन जाएँगी।

शिक्षा मंत्रालय के स्पष्टीकरण और सार्वजनिक आलोचना के बाद एनसीईआरटी ने मूल छवि बहाल करने का निर्णय लिया। डिजिटल संस्करण में तुरंत संशोधन हुआ और भविष्य की मुद्रित प्रतियों में भी मूल प्रतिमा प्रकाशित करने की घोषणा की गई। यह कदम स्वागत योग्य है, लेकिन सवाल छोड़ता है कि शुरूआत में यह परिवर्तन क्यों किया गया। यह निर्णय दिखाता है कि पाठ्यपुस्तकें अब केवल शैक्षणिक सामग्री नहीं, बल्कि वैचारिक संघर्ष का भी हिस्सा बन चुकी हैं। यह घटना याद दिलाती है कि संवेदनशीलता और सेंसरशिप की रेखा बहुत पतली है, और उसे पार करने पर संस्थाओं पर भरोसा कमजोर पड़ सकता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया ।संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्राकृतिक खेती कार्यशाला/ नमामि गंगे योजनान्तर्गत जैविक मेले के आयोजन के सम्बन्ध में'

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। जनपद में केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर दिनांक 18.6.2026 को प्राकृतिक खेती कार्यशाला / नमामि गंगे योजनान्तर्गत जैविक मेले का आयोजन उप नवीन मण्डी परिसर गढ़मुक्तेश्वर में किया गया। मुख्य अतिथि हरेन्द्र सिंह तेवतिया विधायक गढ़मुक्तेश्वर, मदन चौहान जी मा० पूर्व विधायक, कमल मलिक पूर्व विधायक एवं विशिष्ट अतिथियों के द्वारा फीता काटकर उक्त किसान मेला प्रदर्शनी का उदघाटन किया।

इसके उपरान्त विजयपाल आढ़ती विधायक विधान सभा क्षेत्र हापुड़, रेखा नागर अध्यक्षा जिला पंचायत हापुड, अमित सिवाल, अध्यक्ष किसान मोर्चा, भा०जा०पा० हापुड अन्य समस्त जनप्रतिनिधियो के द्वारा भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्जलित किया गया। कार्यकम में कृषि, पशुपालन, उद्यान, मत्स्य, गन्ना एवं अन्य कृषि से सम्बन्धित समस्त विभागो के जिला स्तरीय अधिकारी तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकगण उपस्थित रहे। मेला उद्घाटन के उपरान्त सभी जनप्रतिनिधि गणो के द्वारा मेले में विभिन्न विभागो एवं संस्थाओं द्वारा लगाये गये स्टॉलो का निरीक्षण किया। योगेन्द्र कुमार, उप कृषि निदेशक हापुड़ के द्वारा उपस्थित सभी माननीय जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी गण एवं कृषक बन्धुओ का स्वागत किया एवं विभागीय अन्य योजनाओ की जानकारी दी गयी।

इसके उपरान्त प्रमोद तौमर, वैज्ञानिक बासमती निर्यात विकास प्रतिष्ठान मेरठ ने बासमती धान व राष्ट्रीय प्राकृतिक एवं जैविक खेती केन्द्र गाजियाबाद की वैज्ञानिक डा० साईना द्वारा जैविक / प्राकृतिक खेती के बारे में बताया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र बाबूगढ से वैज्ञानिक डा० पी०के० मण्डके, डा० अरविन्द यादव के द्वारा प्रतिभाग किया गया। मेले में उपस्थित कृषको एवं जनमानस को सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा पपेट शो के माध्यम से प्राकृतिक खेती की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी गयी। प्रगतिशील भारत भूषण गर्ग के द्वारा प्राकृतिक खेती की तकनीकी की कृषको को जानकारी देकर लाभान्वित किया।

तकनीकी सत्र के उपरान्त जनप्रतिनिधियों के द्वारा प्रगतिशील कृषको को प्रमाण-पत्र वितरित किये गये। कृषको को सूक्ष्म जलपान के उपरान्त गौरव प्रकाश, जिला कृषि अधिकारी, हापुड़ के द्वारा उपस्थित सभी जनप्रतिनिधिगण, अधिकारियो एवं कृषक बन्धुओ को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद की कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर पुष्टाहार पोषण की पर्याप्त मात्रा होनी चाहिए। कुपोषित, अति कुपोषित तथा गर्भवती महिलाओं को समय-समय पर पुष्टाहार वितरित किया जाए।

गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा के 250 बूथों तक पहुंचा सपा का 'हर गांव, हर बूथ' अभियान : आशुतोष शर्मा

राजेंद्र सिंह

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर(वेलकम इंडिया)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आशुतोष शर्मा के नेतृत्व में गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र में 'हर गांव, हर बूथ' अभियान के तहत पार्टी का संदेश और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का संदेश जनता तक पहुंचाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत कार्यकर्ता गांव-गांव और बूथ-बूथ जाकर लोगों से संपर्क कर रहे हैं।आशुतोष शर्मा ने बताया कि समाजवादी पार्टी की सरकार के कार्यकाल में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए थे। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार ने छात्र-छात्राओं को लगभग 18 लाख लैपटॉप वितरित किए तथा युवाओं के लिए विभिन्न विभागों में लाखों नौकरियों के अवसर प्रदान किए। ग्राम पंचायतों को अधिक बजट देकर गांवों को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया गया और बिजली उत्पादन के लिए अनेक परियोजनाएं स्थापित की गईं। महिलाओं के लिए समाजवादी पेंशन योजना सहित कई कल्याणकारी योजनाएं भी चलाई गईं।

उन्होंने बताया कि गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा में कुल 400 बूथ और लगभग 2 लाख 97 हजार मतदाता हैं। अब तक 250 बूथों पर अभियान चलाया जा चुका है तथा 'हर गांव, हर बूथ' अभियान के माध्यम से एक लाख लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है।आशुतोष शर्मा ने कहा कि जनता से अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने की अपील की जा रही है। साथ ही महिलाओं को 40 हजार रुपये वार्षिक सहायता, किसानों के लिए किसान आयोग का गठन, युवाओं के लिए रोजगार और 300 यूनिट मुफ्त बिजली जैसी घोषणाओं की जानकारी भी लोगों को दी जा रही है।अभियान में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं जनपद हापुड़ प्रभारी प्रोफेसर धर्मेंद्र यादव ने भी भाग लिया और समाजवादी सरकार के कार्यों को जनता के सामने रखा। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी अंकित भड़ाना, विक्रम गुर्जर, विंदर कश्यप, अंकित कौशिक, निशांत गिरी, संदीप यादव, विपिन यादव सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिव्या ने रचा इतिहास घर पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

नितिन शर्मा

बिजनौर(वेलकम इंडिया)। जनपद के ग्राम अथाई के यशवीर यादव एएसआई सीमा सुरक्षा बल व सोनम की पुत्री दिव्या यादव ने रायपुर में 9 व10 जून को आयोजित नोर्थ जोन व 12-14 जून तक 36 वीं राष्ट्रीय केनोइंग प्रतियोगिता में जूनियर व सब जूनियर कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। दिव्या यादव जनपद बिजनौर कि पहली महिला खिलाड़ी हैं। जिन्होंने जूनियर व सब जूनियर वर्ग में राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण व रजत पदक जीता है। दिव्या यादव वर्तमान मैं भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) की खिलाड़ी है। दिव्या ने यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश की ओर से खेलते हुए प्राप्त की। दिव्या ने वाटर स्पोर्ट्स कैनोइंग C 1 -500 मीटर्स सिंगल में गोल्ड मेडल सब जूनियर में, तथा C 2-1000 मीटर्स और C 2 -500 मीटर्स डबल C 1-500-मीटर्स सिंगल जूनियर सिल्वर मेडल तथा C 1-200 मीटर्स सिंगल सब जूनियर में सिल्वर मेडल जीतकर जनपद का नाम रौशन किया। नूरपुर बस स्टैंड पर पहुंचते ही खेल प्रेमी परिवारीजन व ग्राम वासियों द्वारा दिव्या का भव्य स्वागत किया गया। ग्राम अस्थाई पहुंचने पर गन्ना समिति धामपुर के चेयरमैन रामवीर सिंह, नेशनल कबड्डी खिलाड़ी अतुल चौधरी सहित अन्य गणमान्य नागरिकों द्वारा दिव्या का गर्मजोशी के साथ सम्मान व स्वागत किया गया। दिव्या की इस उपलब्धि के लिए विवेकानन्द दिव्य भारती उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष योगेंद्र पाल सिंह योगी द्वारा खुशी व्यक्त करते हुए बधाई प्रेषित की।

मेगा जॉब फेयर 2026: खटर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में रोजगार का महाकुंभ, सैकड़ों युवाओं को मिला सुनहरा अवसर

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। JMS Group of Institutions, हापुड़ के विशाल परिसर में आयोजित मेगा जॉब फेयर-2026 युवाओं के लिए रोजगार का महाकुंभ साबित हुआ। सुबह से ही परिसर में विद्यार्थियों, स्नातकों और पूर्व छात्रों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूरे आयोजन में उत्साह, ऊर्जा और रोजगार की नई उम्मीदों का माहौल देखने को मिला। मेगा जॉब फेयर का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योग जगत से जोड़ना, उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और उनके करियर को नई दिशा प्रदान करना था। संस्थान ने एक बार फिर साबित किया कि शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित नहीं, बल्कि छात्रों को आत्मनिर्भर और रोजगारपरक बनाने का सशक्त माध्यम भी है। इस रोजगार मेले में 40 से अधिक राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भाग लिया। इनमें आईटी, मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, हेल्थकेयर, शिक्षा और बैंकिंग क्षेत्र की प्रमुख कंपनियां शामिल रहीं। मेले के दौरान अनेक विद्यार्थियों का ऑन-द-स्पॉट इंटरव्यू लिया गया तथा कई अभ्यर्थियों को मौके पर ही ऑफर लेटर भी प्रदान किए गए। इसके अलावा रेज्यूमे निर्माण कार्यशाला, करियर काउंसलिंग सत्र, उद्योग विशेषज्ञों के साथ पैनल चर्चा तथा नेटवर्किंग कार्यक्रम आयोजित किए गए। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को रोजगार बाजार की नई संभावनाओं, चुनौतियों और कौशल विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। इस मेगा जॉब फेयर में B.Tech., MBA, MCA, BBA, BCA, B.Sc., B.Com., B.A., B.PhÔrm., D.PhÔrm. एवं पॉलिटेक्निक के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के साथ-साथ पूर्व छात्र और आसपास के शिक्षण संस्थानों के स्नातकों ने भी भाग लिया। संस्थान प्रबंधन ने कहा कि यह आयोजन केवल भर्ती प्रक्रिया नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और उनके सर्वांगीण विकास का उत्सव है। विद्यार्थियों ने भी इस आयोजन को अपने करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव बताते हुए कहा कि ऐसे अवसर उनके सपनों को साकार करने में अहम भूमिका निभाते हैं। JMS Group of Institutions का यह मेगा जॉब फेयर उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सहयोग का एक मजबूत उदाहरण बनकर उभरा तथा सैकड़ों युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोल गया।

नकली LED टीवी का खेल बेनकाब, न्यू सुपर मार्केट में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। सहारनपुर में नकली इलेक्ट्रॉनिक सामान बेचने के कारोबार पर कोतवाली नगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए न्यू सुपर मार्केट स्थित एक दुकान पर छापा मारकर 19 नकली एलईडी टीवी और विभिन्न कंपनियों के 109 फर्जी ट्रेडमार्क बरामद किए हैं।

पुलिस ने मामले में दुकान संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बुधवार को जांच अधिकारी एवं निजी डिटेक्टिव एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ मनीष इलेक्ट्रॉनिक्स पर दबिश दी। जांच में बरामद टीवी और ट्रेडमार्क नकली पाए गए। पूछताछ में दुकान मालिक मनीष निवासी गोपाल नगर, नुमाइश कैंप ने बताया कि वह दिल्ली के राजपत राय मार्केट से यह सामान खरीदकर अधिक कीमत पर बेचता था। पुलिस ने कॉपीराइट अधिनियम और बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत मनोहरपुर में डिजिटल लाइब्रेरी का किया उद्घाटन

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान ने गांव मनोहरपुर में नवनिर्मित अत्याधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री सुमित राजेश महाजन भी उपस्थित रहे।

उद्घाटन के पश्चात अधिकारियों ने लाईब्रेरी का निरीक्षण किया और वहां उपस्थित गांव के बच्चों से संवाद किया। उन्होने बच्चों को डिजिटल उपकरणों और पुस्तकों का सही उपयोग करने तथा जीवन में आगे बढने के लिए प्रेरित किया।

अरविंद कुमार चौहान ने कहा कि डिजिटल लाइब्रेरी सिर्फ एक भवन नहीं, बल्कि इस गांव के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। ग्रामीण युवा अब यहां बैठकर वैश्विक स्तर की शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी आसानी से कर सकेंगे। डिजिटल लाइब्रेरी की यह शुरूआत गांव और जनपद को शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊँचाई पर ले जाएगी।

जिलाधिकारी द्वारा शिक्षा के उजियारे के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए कार्यक्रम स्थल पर वन महोत्सव के अन्तर्गत पौधारोपण भी किया। उन्होने ग्रामीणों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने का संदेश दिया। उन्होने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गयी स्टालों का निरीक्षण किया तथा बच्चों को अन्नप्राशन कराया।

रात्रि ग्राम चौपाल के आयोजन में ग्रामीणों एवं प्रशासन के बीच का संवाद बेहद सकारात्मक रहा। इस दौरान जिलाधिकारी ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश भी दिए।

उन्होने कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को सरकार की योजनाएं बताई और अधीनस्थ अधिकारियों को पात्र सभी को योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारीगण, ग्राम प्रधान एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

नगरायुक्त ने जन्म-मृत्यु से जुडे. कर्मचारी की समाप्त की सेवाएं

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र की फाइलों के मामले में लापरवाही एवं शिथिलता बरतने के आरोप में नगरायुक्त शिपू गिरि ने एक आऊट सोर्सिंग(सीएलसी) कर्मचारी की सेवाएं समाप्त कर दी है। नगरायुक्त ने अन्य कर्मचारियों को भी चेतावनी दी है कि गंभीर एवं संवेदनशील मामलों में कोताही बरतने वाले कर्मचारियों को बख्शा नहीं जायेगा।

शहरी आजीविका केंद्र के माध्यम से नगर निगम में आऊट सोर्सिंग कर्मचारी के रुप में कम्पयूटर ऑपरेटर के लिए मोनित यादव की आपूर्ति की गयी थी। प्रभारी कार्मिक/सहायक नगरायुक्त प्रथम द्वारा प्रबंधक शहरी आजीविका केंद्र को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि मोनित को जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने से सम्बंधित महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील कार्यों के संपादन हेतु उपजिलाधिकारी कार्यालय से सम्बद्ध किया गया था। लेकिन अत्यंत खेद का विषय है कि उक्त कर्मचारी द्वारा अपने दायित्वों एवं सौंपे गए कार्यो का निष्पादन सही ढंग से नहीं किया जा रहा है। शासकीय कार्यो में लापरवाही एवं शिथिलता बरती जा रही है। जिससे न केवल आम जनमानस को कठिनाई हो रही है बल्कि विभागीय कार्य एवं नगर निगम की छवि भी धूमिल हो रही है। जनहित के अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य में इस प्रकार की घोर लापरवाही एवं अकर्मण्यता स्वीकार्य नहीं है। पत्र में प्रबंधक शहरी आजीविका केंद्र को तत्काल प्रभाव से सेवाएं समाप्त करने और उक्त पटल से हटाने का निर्देश दिया गया है। नगरायुक्त ने कहा कि जनहित के महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील कार्यो में लापरवाही बर्दाश्त नहीं हो सकती। यदि कोई कर्मचारी ऐसा करेगा तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

दोमी रेलवे क्रॉसिंग पर जलभराव से जनता परेशान, ऑल इंडिया हिन्दुस्तान कांग्रेस पार्टी ने उठाई आवाज

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। दोमी रेलवे क्रॉसिंग पर लंबे समय से बनी जलभराव की समस्या के समाधान की मांग को लेकर ऑल इंडिया हिन्दुस्तान कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश इकाई के प्रदेश अध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार नितिन कुमार को सौंपा गया।ज्ञापन में कहा गया कि दोमी रेलवे क्रॉसिंग पर जलभराव के कारण प्रतिदिन हजारों लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। बरसात के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है, जिससे आवागमन बाधित होने के साथ-साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है।

प्रदेश अध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा ने बताया कि इस मार्ग से आसपास की कॉलोनियों के निवासियों सहित लगभग 50 गांवों के लोगों का रोजाना आना-जाना होता है। सड़क पर लंबे समय तक पानी भरा रहने से संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका भी बनी रहती है।

उन्होंने कहा कि पार्टी ने जनहित के इस महत्वपूर्ण मुद्दे को लेकर करीब एक सप्ताह पूर्व प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर समस्या के स्थायी समाधान की मांग की थी। पार्टी लगातार क्षेत्रवासियों की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है और भविष्य में भी जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाती रहेगी। ज्ञापन में मुख्यमंत्री से दोमी रेलवे क्रॉसिंग पर जलनिकासी की समुचित व्यवस्था कराकर क्षेत्रवासियों को राहत दिलाने की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने के दौरान पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता में सहारनपुर के खिलाड़ियों ने जीते 11 पदक

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। बरेली में आयोजित उत्तर प्रदेश राज्य आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता में सहारनपुर के खिलाड़ियों ने अपनी ताकत का लोहा मनवाते हुए 11 पदक जीतकर जिले का नाम पूरे प्रदेश में रोशन किया है। खिलाड़ियों की इस ऐतिहासिक सफलता पर खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है। जिला आर्म रेसलिंग एसोसिएशन ऑफ सहारनपुर के सचिव अभिषेक चौधरी ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 2026 का आयोजन 13 और 14 जून 2026 को बरेली में किया गया था। इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था, जहां सहारनपुर के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर अपने खेल का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होने बताया कि सहारनपुर की टीम की ओर से खेलते हुए गाव्या बिंद्रा ने स्वर्ण, आंचल ने स्वर्ण, रैन ने स्वर्ण, विशाखा ने स्वर्ण, शिवांगी ने स्वर्ण, आरव वत्स ने स्वर्ण, कृष्णा ने स्वर्ण, आदित्या कृष्णा ने स्वर्ण, अक्षित चौधरी ने रजत, जयंत चौधरी ने स्वर्ण व गौरव कुमार ने कांस्य पदक जीतकर अपने खेल का परचम लहरा दिया। सचिव अभिषेक चौधरी ने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि खिलाड़ियों की यह जीत उनके अनुशासन और कड़ी मेहनत का नतीजा है। खिलाड़ियों की इस बड़ी उपलब्धि पर जिला आर्म रेसलिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष व नालंदा वर्ल्ड स्कूल के डायरेक्टर मुकुल चौधरी, सचिव अभिषेक चौधरी, कुश्ती कोच आदेश, ताइक्वांडो कोच प्रियंका चौहान, शोभा बिंद्रा, मयंक बिंद्रा और अमित कुमार आदि ने बधाई देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गर्भावस्था में योग: मां और शिशु दोनों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। गर्भावस्था के दौरान योग करना मां और गर्भस्थ शिशु दोनों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार नियमित और सही तरीके से किया गया योग गर्भवती महिलाओं की नींद में सुधार करता है, तनाव और घबराहट को कम करता है तथा मांसपेशियों को मजबूत और लचीला बनाता है, जिससे सामान्य प्रसव (नॉर्मल डिलीवरी) में सहायता मिल सकती है।

योग से गर्भवती महिलाओं की सहनशीलता बढ़ती है और शरीर का संतुलन बेहतर होता है। इसके अलावा कमर दर्द और तनाव में राहत मिलती है तथा मन शांत रहता है। योग मां और गर्भ में पल रहे शिशु के बीच भावनात्मक जुड़ाव को भी मजबूत करता है।

यह जोड़ों और मांसपेशियों में रक्त प्रवाह बढ़ाने, रक्तचाप को नियंत्रित रखने तथा उल्टी, पैरों के दर्द और सूजन जैसी समस्याओं को कम करने में भी सहायक माना जाता है। नियमित योगाभ्यास से शरीर सक्रिय और ऊजार्वान बना रहता है।

गर्भावस्था के दौरान किए जाने वाले प्रमुख योगासनों में शवासन, प्राणायाम, मार्जरी आसन, कोणासन, वीरभद्रासन, त्रिकोणासन, योग निद्रा, उष्ट्रासन, वज्रासन, ताड़ासन और बद्धकोणासन शामिल हैं।

इन आसनों को प्रशिक्षित योग विशेषज्ञ की देखरेख में करना अधिक सुरक्षित माना जाता है। हालांकि गर्भावस्था में योग करते समय विशेष सावधानी बरतना आवश्यक है। शुरूआती महीनों में ऐसे आसनों से बचना चाहिए जो शरीर के निचले हिस्से पर अधिक दबाव डालते हों। मांसपेशियों को जरूरत से ज्यादा खींचने वाले या अत्यधिक थकाने वाले आसन नहीं करने चाहिए।

इसके अलावा सिर के बल या केवल हाथों के सहारे उल्टा खड़े होकर किए जाने वाले योगासन से बचना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर दीवार या कुर्सी का सहारा लेकर योग करना बेहतर रहता है।

विशेषज्ञों के अनुसार गर्भावस्था के दौरान नौकासन, चक्रासन, अर्धमत्स्येन्द्रासन और भुजंगासन जैसे आसनों को करने से बचना चाहिए, क्योंकि ये शरीर पर अतिरिक्त दबाव डाल सकते हैं।

किसी भी योगाभ्यास को शुरू करने से पहले चिकित्सक और योग विशेषज्ञ की सलाह लेना जरूरी है, ताकि मां और शिशु दोनों का स्वास्थ्य सुरक्षित रह सके।

संवेदनाओं और मानवीय मूल्यों में निहित है भारतीय साहित्य की मूल आत्माः प्रो.आनन्द कुमार त्यागी

हिंदी कविता के महान साधक थे डॉ.शंभूनाथ सिंहः पद्मभूषण प्रो.देवी प्रसाद द्विवेदी

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। महामना मदन मोहन मालवीय हिन्दी पत्रकारिता संस्थान महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एवं डॉ.शंभूनाथ शोध संस्थापन व सृजन पीठ के संयुक्त तत्वावधान में डॉ.शंभूनाथ सिंह की 110वीं जयंती पर बुधवार को 'भारतीय काव्य परंपरा, नवगीत और शंभूनाथ सिंह' विषयक संगोष्ठी एवं 'डॉ.शम्भुनाथ सिंह नवगीत पुरस्कार समारोह' का आयोजन किया गया। काशी विद्यापीठ के डॉ.भगवान दास केन्द्रीय पुस्तकालय स्थित समिति कक्ष में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो.आनन्द कुमार त्यागी ने किया। इस मौके पर कुलपति प्रो.त्यागी ने कहा कि कविता ऊर्जा का एक ऐसा रूप है जिसे समाप्त नहीं किया जा सकता, केवल उसका रूप बदला जा सकता है। कविता का उद्भव भारत माता के चरणों में हुआ है। प्रो.त्यागी ने कहा कि भारतीय साहित्य की मूल आत्मा भावनाओं, संवेदनाओं और मानवीय मूल्यों में निहित है इसलिए इस देश ने छंद की नवीन कलात्मकता को सहज रूप से स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में कई लोगों ने छंद-विहीन कविता को महत्व दिया है किंतु कविता में छंद का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। छंद कविता में उसी प्रकार कार्य करता है जैसे किसी रासायनिक अभिक्रिया में कैटलिस्ट कार्य करता है।

प्रो.त्यागी ने कहा कि जब पश्चिमी परंपराओं और विचारधाराओं का प्रभाव भारतीय साहित्य पर पड़ा, तब कविता भी उससे अछूती नहीं रही इसके बावजूद छंदों ने कविता को एक नया आयाम और नवीन स्वरूप प्रदान किया।

मुख्य अतिथि के उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य व पद्मभूषण प्रो.देवी प्रसाद द्विवेदी ने कहा कि कवि होना सामान्य बात नहीं है और कविता रचना उससे भी अधिक कठिन साधना का कार्य है। सच्चा कवि जन्मजात प्रतिभा लेकर आता है जिसे निरंतर अभ्यास और साधना से निखारता है उन्होंने डॉ.शंभूनाथ सिंह को स्मरण करते हुए कहा कि वे एक बड़े साधक थे जिन्होंने हिंदी काव्य को नई दिशा और नया स्वरूप प्रदान किया। प्रो.द्विवेदी ने कहा कि जब कोई कविता पढ़ी या सुनी जाए, तो श्रोता अपने आसपास की सभी बातों को भूलकर सीधे कविता के संसार में प्रवेश कर जाए यही एक उत्कृष्ट कविता और सच्चे कवि की पहचान है।

विशिष्ट अतिथि नवगीतकार, डॉ.बुद्धिनाथ मिश्र ने कहा कि हजारों वर्षों तक लिखित साहित्य नहीं था। पाणिनी के सूत्र, लीलावती डिक्शनरी भी छंदों पर ही थी जो ये कहते है कि कविता छंदों के बिना हो सकती है। नया पल्लव, पल्लव है पुराना पत्ता पत्ता। काशी में कोई विश्वविद्याल है जो नवगीत को संग्रह दिया है तो सही मायने में वो काशी विद्यापीठ ही है। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ कथाकार डॉ. नीरजा माधव ने कहा कि कविता के कैनवास पर एक चटक रंग नवगीत का है यह सृष्टि परमात्मा का काव्य मानते हैं। कवि भाव, रस और विवेक के साथ कविता के माध्यम से सामने रखता है नवगीत के प्रौढ़ता डॉ.शंभूनाथ है। विद्याश्री न्यास के अध्यक्ष डॉ.दयानिधि मिश्र ने कहा कि नवगीत वैदिक ऋचाओं से जन्म लेती है। वही डॉ.शंभू नाथ सिंह ने कहा था कि नवगीत सृजन से अलग नहीं है जब तक गीत है तब तक कविता का अंत नहीं हो सकता।

इस अवसर पर डॉ.शम्भुनाथ सिंह की स्मृति पुरस्कार इस वर्ष लखनऊ के वरिष्ठ नवगीतकार डॉ.रविशंकर पाण्डेय की कृति 'समय से रहती ठनी' एवं प्रयागराज के यश मालवीय की 'काशी नहीं जुलाहे की' कृति को प्रदान किया गया। उद्घाटन सत्र के बाद आयोजित दो सत्रों में प्रो.उमेश प्रसाद सिंह, प्रो.रामसुधार सिंह, हिमांशु उपाध्याय, प्रो.ओमप्रकाश सिंह (जे.एन.यू.), डॉ शैलेन्द्र सिंह, प्रो.वन्दना मिश्र, प्रो.रेनू सिंह (अमरकंटक, मध्य प्रदेश), प्रो.सुरेन्द्र प्रताप, पुरुषार्थ सिंह (मऊ) सहित अन्य वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंतिम सत्र 'नवगीत दुपहरिया' में डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र की अध्यक्षता तथा पुरुषार्थ सिंह के संचालन में संस्कृति मिश्रा, यश मालवीय, डॉ.अशोक सिंह, ओम धीरज, हिमांशु उपाध्याय, शिव कुमार गुप्त 'पराग', डॉ.रविशंकर पाण्डेय, डॉ.इन्दीवर और सुरेन्द्र वाजपेयी ने काव्यपाठ किया।

गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी में योग सप्ताह मे योगाभ्यास

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/वृंदावन। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के आह्वान पर 15 जून से 21 जून तक योग सप्ताह मनाया जा रहा है

इसी क्रम में गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी, वृंदावन में रासलीला, सांस्कृतिक मंचन एवं कथक नृत्य सीख रहे बालक-बालिकाओं को सप्ताह के प्रथम दिवस से ही योगाभ्यास कराया जा रहा है।

गीता शोध संस्थान वृंदावन के कोऑर्डिनेटर चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार के अनुसार गुरुवार को प्रशिक्षुओं को योग के महत्व एवं स्वास्थ्य संबंधी लाभों की जानकारी देते हुए नियमित योगाभ्यास कराया गया। इस दौरान बालक-बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक सूर्य नमस्कार एवं विभिन्न योगासन किए।

योग सप्ताह के अंतर्गत 19 जून को विशेष रूप से योग विषयक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जायेगा।

नेपाली माता भगवती धाम में 51वें श्री सतचंडी महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा 22 जून से, 64 गांवों की सहभागिता के साथ निकलेगी भव्य कलश शोभायात्रा

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। चौबेपुर क्षेत्र के छीतमपुर स्थित नेपाली माता भगवती धाम में 51वें श्री सत चंडी महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन 22 जून से 30 जून 2026 तक किया जाएगा इस आयोजन को लेकर क्षेत्र के श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है। कार्यक्रम में प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान, यज्ञ, कथा एवं विशाल भंडारे का आयोजन होगा। 18 जून गुरुवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में आयोजन समिति के द्वारा बताया गया की 22 जून 2026 सोमवार को प्रातः सात बजे भव्य कलश शोभायात्रा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इसके उपरांत 23 जून से श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन प्रतिदिन सायं चार बजे से हरि इच्छा तक किया जाएगा। कथा वाचन का दायित्व योगी श्यामनयन जी महाराज (श्रीधाम वृन्दावन) निभाएंगे। सत चंडी महायज्ञ यज्ञाचार्य के रूप में राजेंद्र जी महाराज (श्री धाम अयोध्या) अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे जबकि कार्यक्रम में परमहंस श्री श्री 1008 श्री मोनी गिरि नागा बाबा (कस्तूरबा नाथ धाम जौनपुर) का सानिध्य भी प्राप्त होगा।

कार्यक्रम के अंतर्गत 24 जून 2026 बुधवार को अरणी मंथन आयोजित किया जाएगा। प्रतिदिन प्रातः सात बजे से दोपहर बारह बजे तक यज्ञ एवं हवन संपन्न होगा। 29 जून 2026 सोमवार को पूणार्हुति एवं पूजन के साथ धार्मिक अनुष्ठानों का समापन होगा। आयोजन समिति द्वारा 30 जून 2026 मंगलवार को 64 गांवों के श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की संभावना है।

समस्त ग्रामवासियों द्वारा आयोजित इस धार्मिक महोत्सव में क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ प्राप्त करने की अपील की गई है।

छाता में बंदरों का आतंक, लोगों का जीना किया दूभर

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/छाता। गर्मी के बढ़ते ही बंदरों ने अपना आतंक दिखाना शुरू कर दिया है, गलियों से लोगों का निकलना दूभर हो गया है। लोकल गौरव अविरल शास्त्री ने बताया कि नगर के प्राचीन श्री चतुर्भुज मंदिर में एक साथ बंदरों की बढ़ती तादाद से भक्तों को पूजा करने में भी असुविधा होती है। पूजा सामग्री को भी हाथ से छुड़ा कर ले जाते है। महिला भक्त शांति देवी ने बताया बन्दरों के भय से पूजा भी ठीक से नहीं हो पाती है दिन भर बंदरों का यही हाल रहता है छतों पर रखी पानी की टंकियों को तोड़ देते है। इस संबंध में उपजिलाधिकारी छाता को समाजसेवियों द्वारा ज्ञापन भी दिया गया है। लेकिन बंदरों का आतंक पूरे नगर ने फैल चुका है गौरव अविरल शास्त्री कपिल भार्गव पवन सोनी गौरव गुप्ता टोनी वार्ष्णेय मुकेश ठाकुर अंकित वार्ष्णेय गोपाल वार्ष्णेय राजू मेंबर ने समस्या के निदान की मांग की है।

महिलाओं एवं बालिकाओं तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए जमीनी स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाएं : गीता विश्वकर्मा

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। राज्य महिला आयोग की सदस्य गीता विश्वकर्मा ने सर्किट हाउस स्थित सभागार में महिला जनसुनवाई कर समस्याओं का समाधान किया। जनसुनवाई में कुल 28 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से दो प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष प्रकरणों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। प्राप्त प्रकरणों में भूमि विवाद से संबंधित मामलों की संख्या अधिक रही इसके अतिरिक्त महिला उत्पीड़न, नौकरी के नाम पर धनराशि लिए जाने, मकान पर अवैध कब्जा तथा उपचार संबंधी प्रकरण भी प्राप्त हुए। सदस्य, राज्य महिला आयोग द्वारा समस्त प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रसारित किया गया। साथ ही सभी विभागीय अधिकारियों से उनके विभाग द्वारा संचालित जनकल्याणकारी एवं लाभार्थीपरक योजनाओं की जानकारी प्राप्त की गई।

बैठक में उपस्थित समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने हेतु जमीनी स्तर पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाए।

इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन तथा उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से उपस्थित अधिकारियों को विभागीय योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु निर्देशित किया गया।

इस दौरान रवि शंकर सिंह सिटी मजिस्ट्रेट, नम्रता श्रीवास्तव अपर पुलिस उपायुक्त महिला अपराध, महिला कल्याण विभाग से जिला प्रोबेशन अधिकारी पंकज कुमार मिश्र, रशीदा बेगम वरिष्ठ सहायक, रेखा श्रीवास्तव, प्रियंका राय हब फॉर वूमेन एम्पावरमेंट वन स्टॉप सेंटर से केंद्र प्रबंधक रश्मि दुबे, पूजा सिंह, अनामिका यादव, केस वर्कर शालिनी पांडे, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से पी.एल.वी.सीमा दुबे, गौतिमा, बबिता पटेल, कुसुम, स्वास्थ्य विभाग, पंचायत विभाग, श्रम विभाग, समाज कल्याण विभाग, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा पिछड़ा कल्याण विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

खनन विभाग की टीम पर जानलेवा हमला, ओवरलोड ट्रक ने सरकारी वाहन में मारी टक्कर

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। अवैध खनन एवं ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान खनन विभाग की टीम पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। कार्रवाई से बचने के लिए भाग रहे ओवरलोड ट्रक चालक ने खनन अधिकारियों के सरकारी वाहन में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। घटना में वाहन क्षतिग्रस्त हो गया जबकि अधिकारी एवं कर्मचारी बाल-बाल बच गए। पुलिस ने मामले में गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खनन अधिकारी वाराणसी प्रशांत शर्मा की ओर से खानपुर थाने में दर्ज कराई गई तहरीर में बताया गया है कि विभागीय टीम अवैध खनन सामग्री के परिवहन की रोकथाम के लिए कैथी टोल प्लाजा के समीप वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान दो संदिग्ध ओवरलोड ट्रक तेज गति से गुजरते दिखाई दिए। टीम द्वारा रुकने का संकेत दिए जाने के बावजूद दोनों चालक वाहन लेकर फरार हो गए। खनन विभाग की टीम ने जब वाहनों का पीछा किया तो एक ट्रक चालक ने सरकारी बोलेरो वाहन को निशाना बनाते हुए पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सरकारी वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। विभागीय अधिकारियों का आरोप है कि यह घटना सरकारी कार्यवाही में बाधा उत्पन्न करने और टीम को नुकसान पहुंचाने की मंशा से की गई।

बताया गया है कि संबंधित ट्रक पूर्व में भी ओवरलोडिंग एवं अवैध परिवहन के मामलों में पकड़ा जा चुका है इसके बावजूद नियमों की अनदेखी कर उसका संचालन किया जा रहा था। घटना के बाद विभाग ने इसे सरकारी कार्य में बाधा एवं अधिकारियों की जान जोखिम में डालने का गंभीर मामला बताया है। पुलिस ने ट्रक चालक समेत संबंधित आरोपितों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं, सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम तथा खनन संबंधी प्रावधानों के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

20 जून को स्वच्छ कुण्ड पर भी होगा योगा कार्यक्रम

नगरायुक्त ने अधिकारियों के साथ किया मंथन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। 12 वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग सप्ताह के अंतर्गत श्री जाहरवीर गोगा महाड़ी परिसर स्थित स्वच्छ कुण्ड (अमृत सरोवर) के तट पर भी नगर निगम द्वारा 20 जून को योग कार्यक्रम का कराया जायेगा। यौगिक क्रियाएं अन्तर्राष्ट्रीय योग गुरु पद्मश्री भारतभूषण द्वारा करायी जायेंगी। आयोजन की तैयारियों को लेकर नगरायुक्त शिपू गिरि ने आज निगम के सभी अधिकारियों के साथ विचार विमर्श कर कार्ययोजना को अंतिम रुप दिया। उधर आज भी नगर निगम में निगम अधिकारियों ने विभिन्न यौगिक क्रियाएं करते हुए योग सप्ताह मनाया। अपर नगरायुक्त प्रदीप यादव ने बताया कि 20 जून को प्रातः पांच बजे महाड़ी

स्थित स्वच्छ कुण्ड के किनारे आयोजित कार्यक्रम में सभी जनप्रतिनिधियों, पार्षदों, शहर के गणमान्य लोगों, विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों एवं छात्रों, एनसीसी कैडेट्स, विभिन्न सामाजिक संगठनों के वालंटियर्स को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों द्वारा योगाभ्यास, योग गुरु पद्मश्री भारतभूषण के मार्गदर्शन में किया जायेगा। नगरायुक्त शिपू गिरि ने आज दोपहर अधिकारियों के साथ स्वच्छ कुण्ड परिसर का निरीक्षण कर 20 जून के योग कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया तथा अधिकारियों के साथ बैठक कर 20 जून व 21 जून की कार्ययोजना को अंतिम रुप दिया। नगरायुक्त ने स्वच्छ कुण्ड परिसर सहित योग के लिए आयोजित स्थलों एवं पार्कों की विशेष साफ सफाई कराने एवं योग थीम के अनुसार उन्हें सुसज्जित करने तथा पेंटिंग, स्लोगन आदि लिखवाने के निर्देश दिए। उन्होंने 21 जून को सभी वार्डो में पार्षदों के सहयोग से योग कार्यक्रमों का आयोजन करने तथा योग के प्रति लोगों को प्रेरित करने के निर्देश दिए।

जम्मू-कश्मीर के किसानों को आयात-निर्यात लाइसेंस दे सरकारः मो0 अरशद खान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

जौनपुर। आज पीडीए भवन, कटघरा, जौनपुर में आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में जम्मू-कश्मीर के किसानों, बागवानों और फल उत्पादकों की 25 सूत्रीय समस्याओं और मांगों को देश के सामने रखते हुए 'भारत किसान यूनियन' के संस्थापक अध्यक्ष एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मो0 अरशद खान ने प्रधानमंत्री को एक विस्तृत पत्र भेजने की जानकारी दी।

मो0 अरशद खान ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के किसान, बागवान और फल उत्पादक देश की अर्थव्यवस्था, कृषि और बागवानी क्षेत्र की रीढ़ हैं, लेकिन आज वे गंभीर आर्थिक संकट, प्राकृतिक आपदाओं, बाजार की अव्यवस्था और सरकारी उपेक्षा का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यदि केंद्र सरकार वास्तव में जम्मू-कश्मीर के विकास और किसानों की समृद्धि चाहती है तो उन्हें केवल राहत पैकेज नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार से जोड़ने के लिए

आयात-निर्यात लाइसेंस, आधुनिक भंडारण व्यवस्था और विशेष कृषि नीति प्रदान करनी होगी।

उन्होंने कहा कि सेब, अखरोट, बादाम, चेरी और केसर जैसे उत्पाद विश्व स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं, लेकिन किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सीधी पहुंच नहीं मिल पा रही है। बिचौलियों और बड़ी कंपनियों के कारण किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है।

इसलिए केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर के किसान उत्पादक संगठनों (FPO), सहकारी समितियों और किसान समूहों को सीधे आयात-निर्यात लाइसेंस प्रदान करे, ताकि वे अपने उत्पादों को विश्व बाजार में बेच सकें और बेहतर आय अर्जित कर सकें।

किसानों और बागवानों की प्रमुख समस्याएँ

- सेब उत्पादकों को लाभकारी मूल्य नहीं मिल रहा है।
- विदेशी सेबों के आयात से स्थानीय उत्पादकों को भारी नुकसान हो रहा है।
- कोल्ड स्टोरेज और नियंत्रित वातावरण (उअ रउङ्ग1ी) की भारी कमी है।
- पैकेजिंग सामग्री और कार्टन की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है।
- बागों में रोग और कीट नियंत्रण की लागत अत्यधिक बढ़ गई है।
- अखरोट, बादाम, चेरी और केसर उत्पादकों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सीधी पहुंच नहीं है।
- नकली कश्मीरी केसर के कारण असली उत्पादकों को नुकसान उठाना पड़ रहा है।
- प्रसंस्करण, गुणवत्ता प्रमाणन और निर्यात सुविधाओं का अभाव है।
- बेमौसम वर्षा, ओलावृष्टि और बर्फबारी से किसानों को भारी नुकसान हो रहा है।
- फसल बीमा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो रहा है।
- पहाड़ी क्षेत्रों में सिंचाई सुविधाएं अपर्याप्त हैं।
- मंडियों में बिचौलियों का दबदबा बना हुआ है।
- परिवहन लागत बहुत अधिक है।
- कृषि ऋण, डीजल, खाद, बीज और कीटनाशकों की बढ़ती कीमतों ने किसानों की कमर तोड़ दी है।
- छोटे और सीमांत किसानों की आय लगातार घट रही है।

भारत किसान यूनियन की प्रमुख मांगें

- सेब, अखरोट, बादाम, चेरी और केसर के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी।
- जम्मू-कश्मीर के किसानों और बागवानों को आयात-निर्यात लाइसेंस प्रदान किया जाए।
- प्रत्येक जिले में आधुनिक कोल्ड स्टोरेज और प्रसंस्करण केंद्र स्थापित किए जाएं।
- प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान का 30 दिनों के भीतर मुआवजा दिया जाए।
- किसानों और बागवानों का सम्पूर्ण कृषि ऋण माफ किया जाए।
- फल उत्पादकों के लिए विशेष निर्यात प्रोत्साहन नीति बनाई जाए।
- बागवानी फसलों के लिए अलग और प्रभावी बीमा योजना लागू की जाए।
- किसानों को सस्ती बिजली, खाद, बीज और डीजल उपलब्ध कराया जाए।
- सेब आयात नीति की समीक्षा कर स्थानीय उत्पादकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- प्रत्येक जिले के किसान उत्पादक संगठनों (FPO) को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए।
- जम्मू-कश्मीर के किसानों और बागवानों की समस्याओं पर विशेष संसद सत्र बुलाया जाए।

मोहम्मद अरशद खान ने घोषणा की कि भारत किसान यूनियन जम्मू-कश्मीर के किसानों, बागवानों, सेब, अखरोट, बादाम, चेरी और केसर उत्पादकों के अधिकारों के लिए व्यापक जनआंदोलन चलाएगी। इसके अंतर्गत किसान पंचायतें, धरना-प्रदर्शन, ज्ञापन अभियान, जनजागरण कार्यक्रम और राष्ट्रीय स्तर के आंदोलन आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि 'जब तक जम्मू-कश्मीर के किसानों और बागवानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य, अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सीधी पहुंच और सम्मानजनक आय नहीं मिलेगी, तब तक भारत किसान यूनियन उनका संघर्ष पूरे देश में मजबूती से उठाती रहेगी।'

मुजफ्फरपुर दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए श्री शांति मुकुल के कार्यों की मंत्री डॉ.दिलीप कुमार जायसवाल ने की सराहना

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग बिहार सरकार के मंत्री सह मुजफ्फरपुर जिला प्रभारी मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल का मुजफ्फरपुर आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। इस विशेष अवसर पर विभिन्न सामाजिक कार्यों में सक्रिय और दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत शांति मुकुल (पीडब्ल्यूडी) ने मंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से अभिनंदन किया। मुलाकात के दौरान मंत्री डॉ.जायसवाल ने शांति मुकुल के सामाजिक सरोकार और दिव्यांगजन सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे समर्पित कार्यों की मुक्त कंठ से सराहना की। मंत्री ने उनके जज्बे को नमन करते हुए भविष्य के कार्यों के लिए अपना स्नेहिल आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मंत्री डॉ.जायसवाल ने सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा हमारी सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास की योजनाओं को पहुँचाने के लिए पूरी तरह संकल्पित है। शांति मुकुल जैसे कर्मठ समाजसेवियों का कार्य इस उद्देश्य को धरातल पर सफल बनाने में एक महत्वपूर्ण कड़ी और सेतु की भूमिका निभाता है। इस गरिमामयी अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष हरिमोहन चौधरी की उपस्थिति विशेष रही। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

कोर्ट ने अपने फैसले में इंद्रेश कुमार को ही मंत्री मानकर सूची भी प्रमाणित की

नाथनगर स्थित गाँधी आश्रम की जमीन को भू माफियाओं से आजादी दिलाई

वेलकम इंडिया ब्यूरो

संतकबीरनगर। क्षेत्रीय श्रीगंधी आश्रम मगहर में पिछले एक दशक से मंत्री पद को लेकर विवाद होता रहा है। जिसके कारण गांधी आश्रम लगभग बंद होने के बाद भी अपने अस्तित्व की लड़ाई भी लड़ता रहा है ऐसे में नव निर्वाचित इंद्रेश कुमार ने पुछले दो वर्ध पूर्व जब गांधी आश्रम में मंत्री पद संभाला तो उनके प्रयास से गांधी आश्रम धीरे धीरे आगे बढ़ने लगा।

उन्होंने अपने प्रयास से हैंसर बाजार,नाथ नगर, की इकाइयों को संजीवनी प्रदान करते हुये वहां के भंडारण को चालू कराया इसके साथ ही नाथनगर की जमीन को मुख्यमंत्री के आदेश व जिले के आला अधिकारियों से पैरवी करते हुये भू माफियाओं के चंगुल से आजाद कराया।

गौरतलब हो कि अभी गांधी आश्रम की बंद पड़ी इकाइयां चलना शुरू हुई थीं कि रमेश मिश्र व रविन्द्र लाल श्रीवास्तव के द्वारा सहायक रजिस्ट्रार गोरखपुर की अदालत में वाद दाखिल किया कि मंत्री पद पर आसीन इंद्रेश कुमार की नियुक्ति अवैध है। जिसपर सभी पक्षों की सुनवाई करते हुये सहायक रजिस्ट्रार गोरखपुर ने हाईकोर्ट के फैसले पर मुहर लगाते हुये इंद्रेश कुमार को गांधी आश्रम का मंत्री मानते हुये उनकी सूची को बहाल कर दिया है। इंद्रेश कुमार के मंत्री पद बहाली पर कार्यकताओं में खुशी का माहौल है। कर्मचारियों ने उन्हें मीठा खिलाकर खुशी का इजहार किया।

इस मौके पर पूर्व मंत्री राम आशीष शर्मा, राम मूरत,शिव शंकर यादव, अर्जुन मरीय,कृष्णचंद गुप्ता,विद्या सागर,रामबृक्ष यादव, सिद्धराज मौर्य, चंद्रकांता सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

चयनित मंत्री के प्रयास से गांधी आश्रम को मिली संजीवनी,कर्मचारियों में जगी आशा की किरण

संत कबीर ने पूरे जीवन अपने हाथों से बुने गये वस्त्र को धारण किया था इसके लिये करघा चलाते थे। करघा चला कर लोगों को रोजगार के लिए प्रेरित किया करते थे वहीं कबीर की इस विचार से प्रेरित होकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उसे आगे बढ़ाते हुये खादी वस्त्र नहीं विचार है का नारा दिया इस धारणा को अमलीजामा पहनाने के लिए गांधी आश्रम की स्थापना मगहर में हुई सदियों पूर्व अमन व चैन तथा भाई चारे का संदेश देने वाले सूफी संत कबीर व 19वीं सदी में अहिंसा का पाठ व आजादी की अलख जगाने वाले गांधी के बीच एक समानता जरूर थी। दोनों लोगों ने अपने हाथ से सूत कातकर अपनी जरूरियात पूरी करने के साथ ही लोगों को स्वावलम्बी बनने की प्रेरणा भी देते रहे हैं। गांधी आश्रम मगहर को पुनः चालू करने के लिए चयनित मंत्री इंद्रेश कुमार ने आगे बढ़कर सहारा दिया जिससे बदहाल व सुनसाने पड़े परिसर में बेबस मायूस एवं बेरोजगार कर्मचारियों में आशा की किरण जगी है गांधी आश्रम का वस्त्र भण्डार लगभग 8 वर्षों बाद खुला और शानदार ढंग से वस्त्रों की बिक्री भी हो रही है। नगर पंचायत मगहर ऐतिहासिक कसबा व आसपास का क्षेत्र बुनकर बाहुल्य है जिसकी वजह से यहां पर गांधी के विचारों के फलीभूत होने के साथ ही लोगों को गांधी आश्रम से रोजगार के अवसर भी प्राप्त हो सके इस उददेश्य से मगहर कस्बे में वर्ष 1955 में क्षेत्रीय श्री गांधी आश्रम मगहर की स्थापना की गयी ताकि लोगों को अधिक से अधिक स्वावलंबी बना कर रोजगार से जोड़ा जा सके खादी वस्त्र भण्डार मगहर के प्रबंधक शिव शंकर यादव ने बताया कि गांधी आश्रम मगहर के वस्त्र भण्डार से खादी,ऊनी,रेशमी आदि वस्त्रों की बिक्री वर्ष 2016 के बाद इस वर्ष गांधी जयंती के मौके पर शुरू हो सकी है गांधी जयंती से नब्बे दिनों तक खादी वस्त्रों पर 30प्रतिशत की विशेष छूट दी जा रही है। जिसके वस्त्रों की खरीददारी में आमजन रूचि दिखा रहे हैं इस दौरान खादी वस्त्रों की बिक्री में इजाफा होरहे है गांधी आश्रम के मंत्री इन्द्रेश कुमार ने बताया कि मगहर गांधी आश्रम का पूरे प्रदेश में परचम लहराता था हमारा प्रयास होगा कि जो भी बचे कर्मचारी हैं उनके चेहरे पर मुस्कान की चमक लौटे और खुशहाल जीवन यापन कर सके। जो पिछले दो दशकों से गांधी आश्रम की दशा बदहाल हो चुकी है उसे पटरी पर लाने के लिए कोशिश कर रहे हैं उन्होनें यह भी कहा कि गांधी आश्रम से संबद्ध सभी भण्डार पर पर्याप्त मात्रा में बिक्री के लिए कपड़े,रजाई गद्दा आदि उपलब्ध कराया गया है। सीमित कर्मचारियों के सहारे गांधी आश्रम की पुरानी पहचान दिलाने के प्रयास में लगे हुए हैं।

दुधारा पुलिस एवं साइबर टीम की तत्परता से साइबर ठगी के शिकार पीड़ित की धनराशि कराई गई वापस

वेलकम इंडिया ब्यूरो

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के कुशल निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राज शेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं पीड़ितों को त्वरित सहायता प्रदान करने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना दुधारा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुडाडीहाबेग निवासी मोहम्मद हस्सान द्वारा गलती से अज्ञात व्यक्ति के मर्चेंट खाते में 70,549/- रुपये की धनराशि ट्रांसफर कर दी गयी थी।

घटना की जानकारी होने पर पीड़ित द्वारा तत्काल साइबर सेल थाना दुधारा सम्पर्क कर शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत प्राप्त होते ही थानाध्यक्ष अमित कुमार कुशवाहा के नेतृत्व में थाना दुधारा की साइबर टीम उ0नि0 अनिल मिश्र(साइबर सेल प्रभारी), आरक्षी अनुज कुमार रि0 आरक्षी हर्ष सिंह राजकुमार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आवश्यक तकनीकी एवं विधिक कार्यवाही की गई, जिसके परिणामस्वरूप पीड़ित की संपूर्ण धनराशि 70,549 वापस कराई गई। संतकबीरनगर पुलिस आमजन से अपील करती है कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति के झांसे में आकर बैंक खाता, ओटीपी, यूपीआई पिन अथवा अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 अथवा वेबसाइट cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं।

गिट्टी लदी ट्रेलर अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे गिरी

पुल से नीचे गिरी ट्रेलर के चालक की लगी चोटें,पुलिस ने इलाज के लिये अस्पताल भेजा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र मगहर के नेशनल हाइवे स्थित रसूलाबाद हनुमान मंदिर के गिट्टी से लदी ट्रेलर ट्रक के टायर फट जाने के कारण अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग तोड़ते हुये नीचे गिर गया जिससे चालक गम्भीर रूप से घायल होगया।

जबकि ट्रेलर ट्रक में आग लग गई सूचना पर पहुंची मगहर पुलिस ने घायल को तत्काल इलाज के लिये संयुक्त चिकित्सालय खलीलाबाद भेजवाया जबकि सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने ट्रक में लगी आग पर काबू पाया इस दौरान कुछ देर के लिये एक तरफ का यातायात बाधित रहा।

चौकी इंचार्ज विनोद यादव ने बताया कि महाकालेश्वर इंटरप्राइजेज लिमिटेड कंपनी की गाड़ी गिट्टी से लदी ट्रेलर ट्रक बस्ती से गोरखपुर की तरफ

जारही थी। जैसे ही ट्रक नेशनल हाइवे के रसूलाबाद हनुमान मंदिर के पास बने पुल पर पहुंची ही थी कि ट्रक का एक टायर फट गया जिससे ट्रक अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग को तोड़ते हुये पुल के नीचे गिर गया इसके साथ ही ट्रक के इंजन में आग भी लग गई।

सूचना पर मय हमराही सिपाहिय के मौके पर पहुंचकर जनपद फतेहपुर थाना हुसैनगंज के ग्राम कनईतर निवासी ट्रक चालक नीरज पुत्र वीरेंद्र को चोटे आई हैं जिसे एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल भेजा गया। जबकि फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्रक में लगी आग पर काबू पाया। मौके पर यातायात व्यवस्था व शांति व्यवस्था कायम है।

कबाड़ बन रहे करोड़ों के जब्त वाहन, नीलामी में देरी से राजस्व को हो रहा नुकसान

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के कैराना मार्ग स्थित थाने के बाहर विभिन्न मुकदमों में जब्त किए गए दर्जनों वाहन वर्षों से लावारिस अवस्था में खड़े-खड़े कबाड़ में तब्दील हो रहे हैं। करोड़ों रुपये कीमत के इन वाहनों की लगातार हो रही दुर्दशा जिम्मेदारो की लापरवाही की पोल खोल रही है। कस्बे के थाना परिसर के बाहर सड़क किनारे खड़े दोपहिया, चारपहिया समेत अन्य वाहन विभिन्न आपराधिक मामलों और दुर्घटना संबंधी मुकदमों में पकड़े गए थे। समय पर इन वाहनों की नीलामी अथवा उचित निस्तारण नहीं होने के कारण अब अधिकांश वाहन जंग खाकर खराब होने की कगार पर पहुंच गए हैं।आसपास के लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इन वाहनों की नीलामी कर दी जाती तो सरकार को लाखों रुपये का राजस्व प्राप्त हो सकता था, लेकिन लापरवाही और प्रक्रिया में देरी के चलते सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।थाने के बाहर बड़ी संख्या में वाहन खड़े होने से कैराना मार्ग पर रास्ता संकरा हो गया है। इससे आवागमन प्रभावित हो रहा है और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।क्षेत्रवासियों ने पुलिस प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि थाने में लंबे समय से खड़े लावारिस व जब्त वाहनों की जांच कर उनकी जल्द से जल्द नीलामी अथवा नियमानुसार निस्तारण कराया जाए, ताकि सड़क पर होने वाली परेशानी दूर होने के साथ-साथ सरकार को होने वाले राजस्व नुकसान को भी रोका जा सके।

नगर पालिका की टीम ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान, दुकानदारों ने किया विरोध

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के बाईपास मार्ग पर दुकानों के बाहर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए जेसीबी मशीन से अतिक्रमण हटवाया। कार्रवाई के दौरान कुछ दुकानदारों ने विरोध जताया, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस की मौजूदगी में अभियान को पूरा कराया गया।कस्बे के लोगों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी कि बाईपास मार्ग पर दुकानदारों द्वारा नालों पर अतिक्रमण कर लिया गया है। इसके चलते नालों की सफाई नहीं हो पा रही है और आगामी बरसात में जल निकासी की समस्या उत्पन्न होने की आशंका है गुरुवार को एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार सतीश कुमार यादव, अधिशासी अधिकारी पूर्णिमा सिंह और नगर पालिका की टीम जेसीबी मशीन के साथ मौके पर पहुंची। टीम ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की तो कुछ दुकानदारों ने इसका विरोध करते हुए कहा कि एक व्यक्ति की शिकायत पर की गई कार्रवाई से उनका रोजगार प्रभावित हो गया है और उन्हें पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।सूचना मिलने पर पालिका अध्यक्ष नजमुल इस्लाम भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने उपजिलाधिकारी से फोन पर वार्ता कर अभियान रोकने की अपील की।अधिशासी अधिकारी पूर्णिमा सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री पोर्टल पर प्राप्त शिकायत के आधार पर कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि कस्बे को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

पूर्वी यमुना नहर पटरी से मिट्टी चोरी, बने गहरे गड्ढों से राहगीर परेशान

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बा क्षेत्र में पूर्वी यमुना नहर की पटरी से अज्ञात लोगों द्वारा मिट्टी उठाए जाने का मामला सामने आया है। मिट्टी उठाने के कारण पटरी के दोनों ओर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे वहां से गुजरने वाले वाहनों चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र में सिंचाई विभाग द्वारा पूर्वी यमुना नहर पटरी का निर्माण कराया गया था। पटरी के किनारों पर भी मिट्टी डलवाई गई थी, ताकि सड़क की चौड़ाई बढ़ सके और छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन सुरक्षित तरीके से हो सके। लेकिन अज्ञात लोगों ने रात के अंधेरे में पटरी के किनारों से मिट्टी उठाकर ले ली, जिसके चलते कई स्थानों पर गहरे गड्ढे बन गए हैं। लोगों का कहना है कि गड्ढों के कारण वाहन चालकों को रास्ता पार करने में दिक्कत हो रही है। खासकर रात के समय हादसे की आशंका बनी रहती है। यदि समय रहते गड्ढों को नहीं भरा गया तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है मामले में सिंचाई विभाग के एक्सईएन विवेक कुमार ने बताया कि अभी तक उनके संज्ञान में यह मामला नहीं आया था। सूचना मिलने के बाद मौके पर विभागीय टीम को भेजकर जांच कराई जाएगी। जांच में यदि मिट्टी चोरी की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

क्रैक साइबर क्राइम अभियान के तहत साइबर ठगी के शिकार पीड़ित को मिली राहत, साइबर सेल ने वापस कराए 5,000

वेलकम इंडिया ब्यूरो

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में क्रैक साइबर क्राइम अभियान के तहत साइबर अपराधों की रोकथाम एवं पीड़ितों को त्वरित राहत दिलाने हेतु साइबर सेल थाना कोतवाली खलीलाबाद टीम अपराध निरीक्षक वीरेन्द्र कुमार यादव (प्रभारी साइबर सेल), का0 रविकान्त कुशवाहा, म0का0 शिवांगी सिंह, रि0का0 अनुज शुक्ला ने सतत प्रभावी कार्रवाई करते हुए आवेदक से आन लाइन कोचिंग एप पर कोर्स खरीदने के नाम पर किसी साइबर फ्राडर द्वारा आवेदक के साथ धोखाधड़ी (फ्रॉड) कर फ्राड खाते में ट्रांसफर हुए 5000 रुपये की पूर्ण धनराशि आवेदक के खाते में सफलतापूर्वक वापस करा दी गयी।

दिवाकर पुत्र शिवकुमार साकिन विश्याहन्नु थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संत कबीर नगर से दिनाँक 05.09.2025 को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आवेदक को आन लाइन कोचिंग एप पर कोर्स खरीदने के नाम आवेदक के साथ धोखाधड़ी (फ्रॉड) किया गया। ठगी का अहसास होने पर आवेदक ने तत्काल थाना कोतवाली खलीलाबाद में शिकायत दर्ज कराई। साइबर हेल्प डेस्क पर तैनात आरक्षी रविकान्त कुशवाहा द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए ठउफ्ढ पोर्टल पर शिकायत संख्या 23109250134239 पंजीकृत की गयी। पुलिस की प्रभावी पैरवी से 5000 रुपये की पूर्ण धनराशि को आवेदक के खाते में सफलतापूर्वक वापस करा दी गयी। जनता से अनुरोध है कि किसी भी अनजान कॉल या ब्लैकमेलिंग के झांसे में न आएं। साइबर ठगी होने पर तत्काल Cybercrime.gov.in पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें या हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें।

पिकअप खरीद में धोखाधड़ी का आरोप, महिला ने थाने में दी तहरीर

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे की एक महिला ने पिकअप गाड़ी खरीद के मामले में धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि गाड़ी विक्रेता ने धोखे से वाहन वापस लेकर कहीं और बेच दिया और अब न तो गाड़ी लौटा रहा है और न ही उसके पैसे वापस कर रहा है।

पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है। कस्बे के बिजली घर रोड निवासी महिला मुशीर्दा पत्नी याकिब ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उसने अपने मोहल्ले के ही हारून पुत्र सकूर निवासी बिजली घर रोड से पिकअप गाड़ी संख्या UP-19-0749 को एक लाख 40 हजार रुपये में खरीदी था।

आरोप है कि कुछ समय बाद हारून ने उसके पति से धोखे से गाड़ी वापस ले ली और उसे कहीं अन्य स्थान पर बेच दिया। पीड़िता का आरोप है कि जब वह अपने रुपये या गाड़ी की मांग करती है तो आरोपी गाली-गलौज कर मारपीट पर उतारू हो जाता है तथा चोरी के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देता है।

महिला ने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। वहीं पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

निहंग सिंघों से मारपीट मामले का शिरोमणि कमेटी ने लिया संज्ञान

राजीव मोंगरा

देवबंद/सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। तल्हेड़ी में निहंग सिंघों के साथ हुई मारपीट व जानलेवा हमले के मामले में पुलिस कार्रवाई में हुई देरी से संगत के आक्रोश व धरना-प्रदर्शन का शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी ने भी संज्ञान लिया है।

बुधवार को शिरोमणि कमेटी के प्रतिनिधि ब्रजपाल सिंह ने गुरूद्वारा साहिब पनियाली पहुंचकर बाबा रणजीत सिंह, निहंग सिख भाईयों व संगत से मुलाकात कर मामले की जानकारी ली व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से दोषियों को तत्काल गिरफतार करने की मांग की। पनियाली स्थित गुरूद्वारा हरगोबिंद साहिब पहुंचे शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी की शाखा सिख मिश्नरी हापुड़ के इंचार्ज भाई ब्रजपाल सिंह ने कहा कि निहंग सिख भाईयों के साथ इतना बुरा बर्ताव होने की घटना निंदनीय है। कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व प्रदेश सरकार को इस मामले में कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

क्योंकि मुख्यमंत्री सिख समाज के हितैषी माने जाते है लेकिन पुलिस द्वारा कार्रवाई में देरी से संदेह पैदा होता है। उन्होंने कहा कि वे शिरोमणि कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी व धर्म प्रचार कमेटी के अध्यक्ष गुरविंदर सिंह के आदेश पर यहां पहुंचे है और सारे मामले की रिपोर्ट अमृतसर भेजी जाएगी।

इस मसले पर शिरोमणि कमेटी सहारनपुर की संगत के साथ खड़ी है। इस पूर्व भाई ब्रजपाल सिंह ने मारपीट में घायल भाईयों हरकीरत सिंह व प्रभजोत सिंह से मामले की जानकारी ली।

बाबा रणजीत सिंह पनियाली ने कहा कि समाज की एकजुटता के कारण ही कार्रवाई संभव हो सकी। नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी तक संघर्ष जारी रहेगा।

'12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' विशेष संपर्क अभियान

'12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' विशेष संपर्क अभियान

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' विशेष संपर्क अभियान के अंतर्गत नगर विधायक राजीव गुंबर जी द्वारा प्रबुद्ध वर्ग संपर्क कार्यक्रम के तहत जैन कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. प्रवीन कुमार जी के निवास पर जाकर प्रबुद्ध जनों से संपर्क किया गया। इस अवसर पर केंद्र सरकार के 12 वर्षों एवं उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्षों की ऐतिहासिक उपलब्धियों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए अभियान संबंधी पत्रकों का वितरण किया गया। नगर विधायक

राजीव गुंबर जी ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी एवं प्रभावी नेतृत्व में भारत ने सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की गई हैं, जिनका लाभ करोड़ों लोगों तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, उद्योगों को बढ़ावा देने, बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, आधारभूत संरचना के विकास, महिला सुरक्षा, किसान कल्याण तथा युवा सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। आज उत्तर प्रदेश विकास और सुशासन का मॉडल बनकर उभर रहा है। इस संपर्क अभियान के माध्यम से उपस्थित प्रोफेसर डॉ हरवीर सिंह चौधरी, डॉ जे पी सिंह, डॉ संदीप कुमार, डॉ संजय मौर्य, डॉ महेश कुमार, डॉ राजेश कुमार सहित सभी प्रबुद्ध जनों को सरकार की उपलब्धियों एवं जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण में सहभागिता का आह्वान किया। नगर विधायक राजीव गुंबर जी के साथ भाजपा महानगर मीडिया प्रभारी विजय गुप्ता भी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मोहर्रम पर्व को लेकर मुस्लिम समुदाय के लोगों के साथ पीस कमेटी की हुई बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। जिला पंचायत सभागार में जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता में मोहर्रम पर्व को लेकर मुस्लिम समुदाय के लोगों के साथ पीस कमेटी की बैठक आहूत हुई सम्पन्न हुई। बैठक में मुस्लिम समुदाय के लोगो के द्वारा मोहर्रम पर्व के मौके पर निकलने वाले ताजियों के मार्ग, करबला स्थल पर साथ सफाई, विद्युत के जर्जर तारों को ठीक कराने सहित अन्य व्यवस्थाओं को कराये जाने के संबंध में अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये गये। जिलाधिकारी ने संबोधित करते हुए कहा कि मोहर्रम के पर्व को विगत वर्षों की भांति शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराया जाये। यह पर्व परंपरागत रूप से मनाया जाता रहा है। इसलिए किसी भी नई परंपरा को नहीं शुरू करें। ताजिया कमेटी द्वारा भी जुलूस को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए वालिंटियर्स भी लगाकर व्यवस्था को बनायें रखे। यह भी सुनिश्चित करायें कि ताजिया की ऊंचाई निर्धारित मानक से अधिक नहीं होनी चाहिए। ताजिया जुलूस के दौरान यह भी देख लें कि एक साथ क्षमता से अधिक लोग छतो पर एकत्रित न होने दे। सभी उप जिलाधिकारी, सीओ को निर्देशित किया गया कि संयुक्त रूप से ताजिया मार्गो का संबंधित विभागों के अधिकारियों को साथ लेकर भ्रमण कर रूट व्यवस्था को देख लें। विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि वह मार्ग पर निरीक्षण कर जर्जर एवं झूले हुए तारों को सही करायें। ईओ एवं डीपीआरओं को निर्देश दिये गये कि साफ-सफाई का ध्यान रखें। सोशल मीडिया पर निगरानी रखें ओर माहौल खराब करने वाली पोस्ट करने वाले व्यक्ति के संबंध में तत्काल सूचना दें।

बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी ताजिया मार्ग का भ्रमण कर व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करायें। मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता को भी चेक कर ले। आवश्यकतानुसार सीसीटीवी कैमरें भी लगवा ले। ताजिया जुलूस निकलते समय पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती कर जुलूस को शांतिपूर्वक सम्पन्न करायें। आवश्यकतानुसार पुलिस फोर्स की मांग कर ड्यूटी लगायें। जुलूस में अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन नहीं होने चाहिए। ताजिया करबला से इतर अन्य स्थल पर दफन नहीं होने चाहिए। डीजे संचालकों के साथ भी बैठक कर उन्हें अवगत करा दें कि निर्धारित ध्वनि से अधिक आवाज में डीजे का संचालन नहीं हो। ताजिया बनने वाले स्थलों पर जाकर यह भी सुनिश्चित करायें कि ताजिया निर्धारित ऊंचाई से अधिक नहीं बनने चाहिए। बैठक में सीएमओ डॉ0 सुनील दोहरे, एसपी देहात अन्तरिक्ष जैन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन नीतीश कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट संजय सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एमआईईटी में एआई एक्सपर्ट ने बताए तकनीक और करियर के नए अवसर

उज्जवल रस्तौगी

मेरठ(वेलकम इंडिया)। एमआईईटी के सीएसई डेटा साइंस एवं सीएसई आईओटी विभागों द्वारा एआई इज द फ्यूचर ऑफ सस्टेनेबल इनोवेशन विषय पर एक एक्सपर्ट इंटरैक्टिव सेशन का आयोजन हुआ कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अर्द्रा एआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रांजल यादव रहे। उन्होंने छात्रों को वर्टिकल एआई की अवधारणा, इसके औद्योगिक उपयोग तथा सतत विकास में इसकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उद्योग-विशिष्ट एआई समाधान ऊर्जा, विनिर्माण और रक्षा जैसे क्षेत्रों में कार्यक्षमता बढ़ाने, संसाधनों के बेहतर उपयोग और नवाचार को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम में छात्रों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यावहारिक अनुप्रयोगों और करियर अवसरों से संबंधित प्रश्न पूछकर विशेषज्ञ से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. प्रवीण कुमार मिश्रा, डॉ. पंकज कुमार गुप्ता, अमोद कुमार, यासर बेग एवं अनुभव शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन में वेदांश एवं मोहिनी तेवतिया ने किया ।

खूब लड़ी मदार्नी वह तो झांसी वाली रानी थी

पुण्यतिथि पर रानी लक्ष्मीबाई को याद कर दी गई श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। खूब लड़ी मदार्नी वह तो झांसी वाली रानी थी। प्रसिद्ध कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान द्वारा रचित अमर कविता की उपरोक्त पंक्तियां, जोकि भारत की महान वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के अदम्य साहस, शौर्य और देशभक्ति का बखान करती है, स्वर्गीया रानी लक्ष्मी बाई को उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए गाई गईं। गुरुवार को रानी लक्ष्मीबाई की पुण्यतिथि पर हिंद जन सेवा समिति के तत्वाधान में नमन कार्यक्रम स्थानीय शहीद स्तंभ पार्क पर आयोजित किया गया।

स्वर्गीय रानी लक्ष्मी बाई के चित्र पर पुष्पवर्षा की गई तथा उन्हें नमन किया गया। समिति अध्यक्ष ललित त्रिवेदी ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई (झांसी की रानी) की पुण्यतिथि 18 जून को मनाई जाती है। वर्ष 1858 में 18 जून को वे 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान ग्वालियर के पास अंग्रेजों से लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुई थीं।

उनका जीवन साहस, स्वाभिमान और देशभक्ति का प्रतीक है। जय देवी ने कहा कि 18 जून 1858 को ग्वालियर के पास कोटा की सराय में ब्रिटिश सेना के साथ घमासान युद्ध हुआ। इस युद्ध में रानी लक्ष्मीबाई ने अदम्य साहस का परिचय दिया, लेकिन अंततः वे बुरी तरह घायल हो गईं। केवल 29 वर्ष की आयु में उन्होंने वीरगति प्राप्त की। रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजी दासता को स्वीकार करने के बजाय युद्ध के मैदान में अपने प्राणों का बलिदान देना श्रेष्ठ समझा। सुरेशवती ने कहा कि उनकी वीरता, मातृभूमि के प्रति उनका प्रेम और उनका त्याग भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है और पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। नमन कार्यक्रम में ज्योति, रश्मि, पल्लवी, प्रियंका आदि ने नमन किया।

अवैध मिट्टी खनन पर जिला खनन अधिकारी का कड़ा एक्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। खुर्जा देहात क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन के खिलाफ जिला खनन अधिकारी बृजमोहन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान मौके से 2 लोडर मशीनें और 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी गई।

बताया गया कि खनन माफिया रात के अंधेरे में पुलिस-प्रशासन की नजरों से बचकर अवैध मिट्टी खनन कर रहे थे। छापेमारी की सूचना मिलते ही खनन में लगे लोग अपने वाहनों को मौके पर छोड़कर फरार हो गए। जिला खनन अधिकारी ने जब्त किए गए वाहनों को कब्जे में लेकर सीज कर दिया और आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस को सौंप दिया।

इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में सक्रिय खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया है। जिला खनन अधिकारी बृजमोहन ने कहा कि जनपद में अवैध खनन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह छापेमार कार्रवाई खुर्जा देहात थाना क्षेत्र के गांव भटवारा और हुर्थला में बीती रात की गई।

नई अनुकंपा नियुक्ति नीति की विसंगतियां दूर किए बिना आश्रितों को नहीं मिलेगा लाभः राकेश पाठक

वेलकम इंडिया ब्यूरो

जबलपुर। बिजली कंपनियों में संविदा पर कार्यरत अनुकंपा कर्मचारियों को नियमित करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार के ऊर्जा विभाग द्वारा जारी नई नीति का मध्य प्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन ने स्वागत किया है।

हालांकि, फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने इस नीति में कई गंभीर विसंगतियां होने की बात कही है, जिससे कर्मचारियों में असुरक्षा और असमानता की भावना है।

महामंत्री पाठक ने माननीय ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अतिरिक्त मुख्य सचिव और सभी एमडी को पत्र भेजकर इस नीति में सुधार की मांग की है। उन्होंने मुख्य विसंगतियों और मांगों को रेखांकित करते हुए कहाः

वरिष्ठता की अनदेखी: कर्मचारियों की 8 से 10 वर्षों की संविदा सेवा को वरिष्ठता में नहीं जोड़ा जा रहा है, जिससे सीनियर कर्मचारी भी जूनियर हो जाएंगे। मूल नियुक्ति दिनांक से ही वरिष्ठता का लाभ मिले।

वेतन में गिरावट: वर्तमान में मिल रहे 27,000 - 28,000 रुपये मानदेय की तुलना में नियमित होने पर वेतन कम होने की आशंका है। इसमें स्पष्ट वेतन संरक्षण (पे प्रोटेक्शन) लागू किया जाए।

सीपीसीटी में छूट: जिन कर्मचारियों की नियुक्ति सीपीसीटी अनिवार्य होने से पहले हुई थी, उन्हें इसमें पूर्ण छूट दी जाए या उनके कायार्नुभव को ही इसके समकक्ष माना जाए।

शपथ पत्र की औपचारिकता बंद होः चूंकि यह नई भर्ती नहीं है, इसलिए शपथ पत्र जैसी औपचारिकताएं हटाकर सीधे नियमित किया जाए और हायर सेकेंडरी पास आश्रितों को भी कार्यालय सहायक श्रेणी-3 के पद पर नियुक्त किया जाए।

फेडरेशन के पदाधिकारियों ने मांग की है कि जब तक नीति में आवश्यक संशोधन नहीं हो जाते, तब तक सभी संबंधित अनुकंपा आश्रितों को बिना शर्त नियमित कर नए पद पर ज्वाइन कराया जाए। यह जानकारी फेडरेशन के प्रदेश प्रवक्ता मदन वर्मा द्वारा जारी की गई है।

12वें अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम के अर्न्तगत योगाभ्यास किया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के दिशा निर्देशन में आयोजित होने वाले 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं योग सप्ताह (15 जून 2026 से 21 जून 2026 तक) का डॉ० अलख प्रकाश, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी जनपद बुलंदशहर के संचालन में 18 जून 2026 के कार्यक्रम में विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं आयुष महाविद्यालयों में योगाभ्यास कराया गया। मलका पार्क में मास्टर ट्रेनर द्वारा मुख्य थीम 'Yoga for healthy Ageing' के अतिरिक्त 'Yoga for Youth and Student' के अनुसार योगाभ्यास कराया गया। जिले के अतिरिक्त सभी 16 ब्लाकों, ग्राम पंचायत, दिव्यांग जन केन्द्र, एवं जिला कारागार, बुलन्दशहर पर नोडल चिकित्साधिकारियों की निगरानी में सभी आयुष चिकित्सालयों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों एवं योग आयुष वेलनेस सेंटरो पर योग दिवस के कार्यक्रमों के अर्न्तगत योगाभ्यास कराया गया एवं आयुष चिकित्सालयों द्वारा चिकित्सा शिविरों का आयोजन भी किया गया। 21 जून 2026 का कार्यक्रम वृहद स्तर पर ब्लॉक, तहसील व जनपद के चिह्नित स्थलों पर किया जायेगा। सभी जन सामान्य से अपील है कि अधिक से अधिक योगाभ्यास शिविरों में प्रतिभाग कर लाभ प्राप्त करें।

स्वतंत्रता सेनानी राज बिहारी सिंह के प्रवेश द्वार का भव्य भूमि पूजन 6 लाख से बनेगा भव्य द्वार

संदीप तिवारी

वाराणसी मिजार्मुराद(वेलकम इंडिया)। आराजीलाई विकास खण्ड के दीनदासपुर, कुण्डरिया, बेनीपुर कल्लीपुर को जोड़ने वाले पूर्व मंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी स्व. राज बिहारी सिंह मार्ग पर बनने वाले भव्य प्रवेश द्वार का भूमि पूजन बुधवार सायं 5 बजे संपन्न हुआ।

विधान परिषद सदस्य एमएलसी धर्मेंद्र राय की निधि से 6 लाख रुपये की लागत से बनने वाले इस द्वार का भूमि पूजन मुख्य अतिथि धर्मेंद्र राय ने विधि-विधान से किया। कार्यक्रम का नेतृत्व कुण्डरियों के ग्राम प्रधान विवेक सिंह 'मोहित' ने किया।भूमि पूजन के दौरान एमएलसी धर्मेंद्र राय ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी राज बिहारी सिंह का जीवन त्याग, समर्पण और देशभक्ति की मिसाल है। उन्होंने प्रदेश सरकार में मंत्री रहते हुए क्षेत्र के विकास के लिए जो काम किए, वह आज भी लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उनके नाम पर बनने वाला यह प्रवेश द्वार आने वाली पीढ़ियों को देशसेवा और जनसेवा का संदेश देगा।

कार्यक्रम में जिलाउपाध्यक्ष सुरेश सिंह, एमएलसी प्रतिनिधि संदीप सिंह 'मिंटू', व्यापार मण्डल अध्यक्ष दिलीप सिंह (छोटू) सुरज सिंह, प्रितेश कुमार दुबे, सदस्य जिला पंचायत जितेन्द्र सिंह 'चन्दर' सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनता उपस्थित रही।

स्व. राज बिहारी सिंह उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे हैं। उन्होंने आजादी की लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाई और आजादी के बाद भी क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर कार्य किया। स्थानीय लोगों ने कहा कि उनके नाम पर बनने वाला यह द्वार उनके संघर्ष और बलिदान को सम्मान देने का एक प्रयास है कुण्डरियों के ग्राम प्रधान विवेक सिंह 'मोहित' ने कहा कि क्षेत्रवासियों की मांग पर यह प्रवेश द्वार बनाया जा रहा है। उन्होंने एमएलसी धर्मेंद्र राय का आभार जताते हुए कहा कि उनके सहयोग से क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिली है। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया।

सचेडूले के' संशोधन का दवा विक्रेता समिति वाराणसी ने किया स्वागत,व्यापक समीक्षा की मांग

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट्स अक्छउऊद्वारा भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की 9 जून 2026 की अधिसूचना G.S.R.477 (ए) के माध्यम से ड्रग्स एण्ड कॉस्मेटिक्स रूल्स 1945 की अनुसूची 'के' क्रमांक 13 की मद 7 में से 'खांसी Cough हेतु सिरप' शब्द हटाए जाने के निर्णय का दवा विक्रेता समिति वाराणसी DVS स्वागत करती है। AIOCD के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.एस.शिंदे एवं महासचिव राजीव सिंघल के इस निर्णय को DVS औषधियों के उत्तरदायित्वपूर्ण वितरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक कदम मानती है। दवा विक्रेता समिति वाराणसी के पदाधिकारियों ने कहा कि DVS लंबे समय से केन्द्र सरकार के समक्ष यह मुद्दा उठाता रहा है कि अनुसूची 'के' के प्रावधानों का कुछ संस्थाओं,विशेषकर ई-फार्मेसी एवं अन्य अनधिकृत माध्यमों द्वारा दुरुपयोग किया जा रहा है। इससे न केवल ड्रग्स एण्ड कॉस्मेटिक्स अधिनियम की मूल भावना के विपरीत औषधियों की बिक्री हो रही थी बल्कि लाइसेंसधारी केमिस्ट दुकानों का व्यापार भी प्रभावित हो रहा था। उक्त का मानना है कि दवा का वितरण केवल वैधानिक एवं अधिकृत माध्यमों से ही होना चाहिए रोगी सुरक्षा एवं जनस्वास्थ्य सर्वोपरि है।

DVS की प्रमुख मांगें:

स्वास्थ्य मंत्रालय सभी नियामक प्राधिकारणों,चिकित्सकों,फार्मासिस्टों , केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट संगठनों तथा रोगी समूहों से परामर्श कर अनुसूची 'के' की व्यापक एवं समग्र समीक्षा करे।

खांसी की सिरप सहित सभी प्रिस्क्रिप्शन औषधियों के वितरण में कड़ाई से नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए।

लाइसेंसधारी केमिस्ट दुकानों को समान अवसर उपलब्ध कराते हुए अनधिकृत बिक्री पर रोक लगाई जाए।दवा विक्रेता समिति वाराणसी AIOCD के साथ कंधे से कंधा मिलाकर यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि वाराणसी जिले के सभी केमिस्ट ड्रग्स नियमों एवं लागू कानूनों का पूर्ण अनुपालन करें।

कांस्य पदक जीतने वाली बेटी को भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया सम्मानित

संदीप तिवारी

वाराणसी मिजार्मुराद(वेलकम इंडिया)। रोहनिया विधानसभा के मथुरापुर भरथरा गांव निवासी काशी की बेटी प्रीति पटेल 11 जून से 15 जून तक तजाकिस्तान देश के दुशांबे में कुराश प्रतियोगिता में 48 किलोग्राम भार वर्ग में हुई कुराश प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीती थी।प्रीति काशी के संजोई अखाड़े में अभ्यास करती है। प्रीति के घर बुधवार की दोपहर में भाजपा वाराणसी के जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल पहुंचकर कांस्य पदक जीतने वाली काशी की बेटी प्रीति को अंगवस्त्र एवं मोमेंटो और सहयोग राशि देकर सम्मानित किया। जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल ने कहां की तजाकिस्तान में जाकर काशी के बेटी ने जीत दर्ज कर गांव समाज के साथ-साथ काशी का भी नाम रोशन किया है मेरा आशीर्वाद हमेशा बिटिया के साथ है इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव सिंह गौतम, अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित', ओमप्रकाश पटेल, अमित पटेल 'रिंकू, शिवशंकर पटेल, डॉ. राजेश पटेल, राहुल कुमार, चंदन सिंह पटेल, श्रीराम गुप्ता, अजय पटेल, रमेश विश्वकर्मा, अमित सिंह 'पीयूष' समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रदेश स्तरीय सब जूनियर बालिका बॉक्सिंग प्रतियोगिता का हुआ भव्य समापन

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश, खेल भवन लखनऊ एवं उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग संघ के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित चार दिवसीय प्रदेश स्तरीय समन्वय सब जूनियर बालिका बॉक्सिंग प्रतियोगिता का भव्य समापन हो गया। इस रोमांचक टूर्नामेंट में मेरठ मण्डल की टीम ने अपने शानदार पंच और बेहतरीन खेल रणनीति के बलबूते 29 अंको के साथ प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का खिताब अपने नाम किया।

वहीं, कड़े मुकाबले में गोरखपुर मंडल की टीम 18 अंको के साथ द्वितीय स्थान पर रहकर उपविजेता बनी। मेजबान सहारनपुर मंडल की टीम 13 अंको के साथ तृतीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता में सहारनपुर की जीविका ने बेस्ट बॉक्सर का खिताब अपने नाम किया जबकि प्रोगेसिग बॉक्सर मेरठ की सांची शर्मा रही।

चार दिनों तक चले इस कड़े टूनार्मेंट में उत्तर प्रदेश के 13 मंडलों से आई 76 बालिका खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा और तकनीकी कौशल का जोरदार प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। प्रतियोगिता समापन एवं पुरस्कार वितरण के मुख्य अतिथि कुंवर बृजेश सिंह (राज्य मंत्री, लोक निर्माण विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार) एवं अति विशिष्ट अतिथि महापौर डॉ. अजय कुमार सिंह को राहुल चोपड़ा, क्रीड़ाधिकारी ने बुके भेंट कर हार्दिक स्वागत किया। प्रवीन कुमार सहायक प्रशिक्षक ने मुख्य अतिथि को तथा लाल प्रताप धमेन्द्र ने विशिष्ट अतिथि को अंगवस्त्र पहनाकर हार्दिक अभिनन्दन किया गया।

मुख्य अतिथि राज्य मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया व विजेता व उप विजेता टीमो को ट्रॉफी प्रदान की। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा की आप लोगो में से ही खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं एवं ओलम्पिक खेल में प्रतिभाग करेगें और राष्ट्रीय, अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर अपने देश, राज्य एवं अपने शहर व परिवार का नाम रोशन करेगें। विशिष्ट अतिथि डॉ. अजय कुमार के द्वारा खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होने कहा की खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करते है। प्रतियोगिता मे निर्णायकों की भूमिका सोमप्रकाश शर्मा, पवन कुमार, संजय गुप्ता, मनीष हजरिया, रॉबिन सिंह, अंकित गुप्ता, राजबहादुर, विवेक ढाका, कंचन भारती, कविता, सोनम, ननिका लिम्बू के द्वारा निभाई गई।

राजकुमार गोयल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी में 21 दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राजकुमार गोयल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी गाजियाबाद में 21 दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ संस्थान के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश एवं एनसीआर के लगभग 40 इंजीनियरिंग कॉलेज के 200 से अधिक विद्यार्थी भाग ले रहे हैं।

कार्यक्रम का प्रारंभ माँ सरस्वती की वंदना के साथ किया गयो कार्यक्रम के शुभारंभ में समर कैंप के संयोजक एवं कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के विभाग अध्यक्ष डॉ अमित सिंघल ने सभी का स्वागत किया और छात्रों को नई तकनीक की जानकारी सीखने के लिए प्रेरित किया। छात्रों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने बताया कि सीएसई विभाग 2026 से एनबीए मान्यता प्राप्त हो गया है, साथ ही विभाग ने एम.टेक (सीएसई) का स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रारंभ कर दिया है, जिससे छात्रों के लिए उच्च शिक्षा एवं शैक्षणिक प्रगति के नए द्वार खुलेंगे।

संस्थान के निदेशक डॉ. बी.सी. शर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए उनके बेहतर भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में बढ़ती हुई डिमांड को देखते हुए संस्थान ने घोषणा की है कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 में सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में प्रवेश लेने वाली सभी छात्राओं को पूरे चार वर्षों तक 100 प्रतिशत ट्यूशन फीस छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। छात्रों को संबोधित करते हुए नेटकैम्प सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर श्री शांतू पुरकैत ने नेटवर्किंग, वेब डेवलपमेंट, एथिकल हैकिंग तथा एंड्रॉयड पर सभी विद्यार्थियों को जानकारी दी कि पूरे सत्र में लाइव ट्रेनिंग और प्रोजेक्ट पर काम कराया जाएगा।

संस्थान के डीन डॉ आर के यादव ने छात्रों को पूरे अनुशासन के साथ कार्यक्रम में सीखने के लिए प्रेरित किया जिससे वह अधिक से अधिक तकनीकी जानकारी प्राप्त कर सके और भविष्य में अपने रोजगार को सुरक्षित कर सकें कार्यक्रम के संचालन में विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ प्रमोद कुमार सागर का अहम योगदान एवं सहयोग रहा।

कॉलेज के वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल, ग्रुप एडवाइजर डॉ लक्ष्मण प्रसाद, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ डी के चौहान, डीन स्टूडेंट वेलफेयर के एच जी गर्ग एवं डॉ रामेंद्र सिंह ने इस तकनीकी कैंप के आयोजन के लिए कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग को शुभकामनाएं दी।

भारतीय किसान मजदूर मोर्चा ने दिया बैनामा लेखक संघ आंदोलन को अपना समर्थन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उप निबंधक कार्यालयो में ई पंजीकरण प्रक्रिया को लागू करने के विरोध में बैनामा लेखक संघ द्वारा पिछले 8 दिनों से किए जा रहे धरने प्रदर्शन को भारतीय किसान मजदूर मोर्चा ने दिया अपना समर्थन। गुरुवार को भारतीय किसान मजदूर मोर्चा के अध्यक्ष डॉ बबली गुर्जर के नेतृत्व में संगठन से जुड़े दर्जनों लोगों ने तहसील पहुंचकर अपना समर्थन दिया। इस अवसर पर डॉ बबली गुर्जर ने कहा कि इस प्रक्रिया को शुरू करने से प्रदेश में लाखों परिवार के सामने जीवन यापन करने का संकट खड़ा जाएगा। उन्होंने सरकार से मांग की कि इस फैसले को तत्काल रूप से वापस लिया जाना चाहिए अगर ये फैसला वापस नहीं हुआ तो मोदीनगर, बैनामा, लेखक, संघ के साथियों के साथ मिलकर भारतीय किसान मजदूर मोर्चा सड़क पर उतरने का काम करेगा।

धरने को समर्थन देने वालों में मुख्य रूप से मोर्चा के अध्यक्ष डॉ बबली गुर्जर, उपाध्यक्ष जॉनी चौधरी, संरक्षक बीर सिंह एवं प्रेमचंद शर्मा, सचिव जयप्रकाश शर्मा, उत्तम प्रधान, अनिल जोशी, बलबीर भड़ाना, राहुल जाटव, आदि दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

खेलों से होता है व्यक्ति का संपूर्ण विकास: डॉ मंजू शिवाच

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल खेल परिसर को विधायक निधि से डॉ. मंजू सिवाच द्वारा कुश्ती व कबड्डी के अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैट भेंट किये गये। उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में खेलों के द्वारा व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्ष के कार्यकाल में खेलो इंडिया के माध्यम से खेलों को बढ़ावा दिया गया है और हर दिन नए राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं। खिलाड़ियों के द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी खेलों में विशेष पहचान बनायी है। इसलिए हमें शिक्षा, संस्कृति के साथ साथ खेलों को भी बढ़ावा देने की विशेष आवश्यकता है। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली विद्यालय के प्रबंधक अखिलेश द्विवेदी प्रधानाचार्य डॉ. अरुण त्यागी डॉ. बब्ली गुजर, गुलशन रावत, डॉ विजय मलिक, नवीन जयसवाल, अमित चौधरी, ललित त्यागी, मयंक शर्मा, रजनीश, हर्ष मलिक, संदीप सांगवान, बोबी, अरूण खन्ना, कोच जितेंद्र पांडे, अभिभावकों, शिक्षक शिक्षिकाओं की गरिमामय उपस्थिति रही।

डा0 मनु कालिया ने किया ग्राम शेरपुर में लीगल एण्ड क्लीनिक का उदघाटन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। ग्राम शेरपुर, में लीगल एण्ड क्लीनिक का उदघाटन डा0 मनु कालिया, सदस्य सचिव, उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा किया गया। तहसील मोदीनगर के पांच ग्राम खिन्दौडा, सुराना, सैदपुर हुसैनपुर डीलना, जोया, शेरपुर, लीगल एण्ड क्लीनिक में चयनित हुए पैनल अधिवक्ता संजय मुदगल मोदीनगर-उत्तर प्रदेश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निंदेश पर माननीय जिला जज विनोद सिंह रावत अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के नियंत्रण पर नेहा बनौधिया सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के आदेश पर ग्राम शेरपुर मे लीगल एण्ड क्लीनिक का उदघाटन डा0 मनु कालिया, सदस्य सचिव, उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा किया गया।

शिविर की अध्यक्षता डा0 मनु कालिया सदस्य सचिव, उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ ने वालंटियर राहुल कुमार व नीलम वर्मा की। ओर बताया कि जनपद गाजियाबाद के 15 ग्राम लीगल एण्ड क्लीनिक में चयनित हुए है। जिसमे तहसील मोदीनगर मे ग्राम शेरपुर में लीगल एण्ड क्लीनिक का आज शुभारम्भ हुआ है।

लीगल एण्ड क्लीनिक पैनल अधिवक्ता संजय मुदगल पैरा लीगल जयाश्री जया कश्यप समय समय पर आकर ग्राम वासियों की समस्या सुनेगे। शिविर का सचांलन अरूण कुमार डागर, विचित्र वीर द्वारा किया गया।

स्थायी लोक अदालत की अध्यक्ष रीता सिंह ने बताया की लोक जपनद गाजियाबाद में विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 की धारा 22 वी की उपधारा (1) के अधीन स्थायी लोक अदालत स्थापित है। तथा अदालत प्रत्येक दिवस को लगती है नेहा बनौधिया सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद ने बताया कि किसी भी व्यक्ति, महिला, वृद्ध व्यक्ति, को कोई भी समस्या हो तो वह भी अपनी शिकायत लीगल एंण्ड क्लीनिक में कर सकता है।

जिसका जल्द से जल्द निस्तारण किया जायेगा। पैनल अधिवक्ता संजय मुदगल द्वारा बताया गया कि विधिक सेवा प्राधिकरण का उददेश्य मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करना है, ताकि कोई भी वरिष्ठ नागरिक न्याय से वंचित न रहे।तहसीलदार रजत सिंह न्यायिक अधिकारीगण, प्रशासनिक अधिकारीगण, अधिवक्ता संगीता, अनिता प्रजापति, सुनीता कुश्वाहा, सुमन कुमारी, अनिता रानी, किरणपाल सिंह, सामान्य जनमानस, ग्राम प्रधान धर्मपाल सिंह भिदोनिया, ग्राम सचिव नवीन कुमार, लेखपाल मयंक सिंह, पैरा लीगल वोलिन्टर राहुल कुमार, दुर्गेश, जयाश्री कश्यप, जया कश्यप, उमंग किशोर, आदि उपस्थित रहे।

हनुमत कथा में हनुमान जी जन्म का उत्सव धूमधाम से मनाया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। हनुमत कथा में दूसरे दिन हनुमत कथा में हनुमान जन्म का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। अंजनी मां के हुयो लाल भजन पर झूम झूम कर भक्तों ने जन्म की बधाइयां गाई। वृद्धाश्रम में चल रही हनुमत कथा में कथा व्यास अरविंद भाई ओ जाने कहा कि हनुमानजी के प्राण ही रामकथा है। हनुमान जी प्रभु चरित सुनिबे के रसिया हैं क्योंकि उनके प्राणों में राम कथा बसती है राम कथा से अलग उनका अस्तित्व नहीं है। हनुमानजी का जन्म भले ही माता अंजना और केसरी के यहां हुआ हो पर हनुमान जी का प्रगटीकरण ही रामकथा से हुआ है। इसलिए प्रभु श्रीराम और जानकी को वे अपने माता पिता कहते हैं।

माता जानकी ने हनुमान जी को अजर अमर होने का वरदान दिया तो हनुमान जी चिरंजीवी हो गए और प्रभु श्रीराम ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि जब तक धरती पर रामकथा रहेगी तब तक तुम यहीं धरती पर रह कर भक्तों का कल्याण करते रहेंगे। कथा में मुख्य यजमान पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, विजय मलिक, रूपचंद शर्मा अन्य लोगों में सतीश चौधरी, सोहनवीर नेहरा, अनिल शर्मा कौशल वर्तमा उपस्थित रहे।

साइबर ठगों पर कोतवाली नगर पुलिस का शिकंजा, पीड़ित को लौटाए 80,905

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। साइबर अपराध के बढ़ते मामलों के बीच थाना कोतवाली नगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर एक पीड़ित को बड़ी राहत दिलाई है। साइबर सेल की सक्रियता से ऑनलाइन ठगी का शिकार हुए हिन्द नगर निवासी रवि प्रसाद त्रिवेदी की ₹80,905 की धनराशि वापस कराई गई।

3 जून 2026 को रवि प्रसाद त्रिवेदी साइबर ठगी का शिकार हो गए थे। उन्होंने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत प्राप्त होने के बाद थाना कोतवाली नगर की साइबर सेल टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित बैंक से लगातार पत्राचार किया और धनराशि को वापस दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की।

साइबर सेल के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप 18 जून 2026 को पीड़ित की पूरी ₹80,905 की राशि वापस करा दी गई। धनराशि वापस मिलने पर रवि प्रसाद त्रिवेदी ने थाना कोतवाली नगर पहुंचकर थाना प्रभारी एवं साइबर पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर बिना देरी किए हेल्पलाइन नंबर 1930 या एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, जिससे समय रहते प्रभावी कार्रवाई कर धनराशि वापस कराई जा सके।

ग्रामीण क्षेत्र में बिजली की व्यवस्था सुचारू रूप से किए जाने की मांग

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। क्षेत्र के गांव में बिजली की समस्या को लेकर राहुल प्रधान के नेतृत्व में किसानों एवं ग्रामीणों ने बिजली घर का घेराव कर बिजली की व्यवस्था सुचारू रूप से किए जाने की मांग की है। मोदीनगर क्षेत्र के गांव कीनापुर अमराला, कलछीना, बढ़ायला, सिकरी खुर्द, निजामपुर के किसानो ने बिजली घर का घेराव किया। राहुल प्रधान ने कहा कि पिछले 8 दिन पहले आंधी तूफान आने से बिजली के खंभे तार टूटने व चोरी होने की वजह से विधुत आपूर्ति नहीं हो रही है जिससे फसल सिंचाई व गावों में बिजली सप्लाई पूरी तरह से ठप है। किसानों ने बिजली अधिकारी को ज्ञापन देकर बिजली की व्यवस्था को सुचारू रूप से किए जाने की मांग की। इस मौके पर राहुल प्रधान, हरेंद्र गुर्जर, राजा चौधरी, राहुल कुमार, पवन सिंह, इस्तकार प्रधान, नरेश चौधरी, अनेकों लोग मौजूद रहे।

त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील, कोतवाली नगर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आगामी त्योहारों के मद्देनजर क्षेत्र में शांति, सौहार्द एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार को थाना कोतवाली नगर परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली नगर श्रीमती उपासना पाण्डेय ने की।

बैठक में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, धर्मगुरुओं एवं जनप्रतिनिधियों के साथ आगामी त्योहारों को आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त ने उपस्थित लोगों से प्रशासन का सहयोग करने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि त्योहार समाज में एकता और सद्भाव का संदेश देते हैं, इसलिए सभी नागरिक मिल-जुलकर शांतिपूर्ण तरीके से पर्व मनाएं तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। बैठक में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए आवश्यक सुझाव भी साझा किए गए।

एनसीआर में कार चोरी का काला कारोबार बेनकाब, दो शातिर चोर गिरफ्तार, दो कारें बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। लिंक रोड थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की गई दो कारें बरामद की हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मेरठ निवासी कमरयाब और गाजियाबाद निवासी सहदेव के रूप में हुई है। दोनों आरोपी चोरी की गाड़ियों को मेरठ और सहारनपुर में बेचकर मोटा मुनाफा कमाते थे। पुलिस के मुताबिक, रामपुरी सूर्यनगर निवासी श्यामबीर ने 6 जून को अपनी स्विफ्ट कार घर के बाहर से चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली, जिसके आधार पर 18 जून को चेकिंग के दौरान दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने साथी कासिम के साथ मिलकर करीब 10-11 दिन पहले रामपुरी क्षेत्र से स्विफ्ट कार चोरी की थी। इसके अलावा दिल्ली के यमुना विहार क्षेत्र से एक मारुति अर्टिगा कार भी चोरी की गई थी। पुलिस ने दोनों वाहन बरामद कर लिए हैं। आरोपियों ने बताया कि चोरी के बाद पहचान छिपाने के लिए वे वाहनों की नंबर प्लेट रास्ते में फेंक देते थे। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह चोरी की गाड़ियों को मेरठ और सहारनपुर के कुछ लोगों को बेचता था। गिरोह के तीन अन्य सदस्य अभी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। एसीपी अमित सक्सेना ने बताया कि आरोपी कमरयाब के खिलाफ दिल्ली, मेरठ और गाजियाबाद में वाहन चोरी के कई मामले दर्ज हैं, जबकि सहदेव पर गाजियाबाद, नोएडा और दिल्ली-एनसीआर में चोरी के करीब तीन दर्जन मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है, जबकि फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

बिसरख पुलिस बनी फरिश्ता: ऑटो में छूटा साढ़े तीन लाख के गहनों से भरा बैग सकुशल लौटाया

बिसरख। थाना बिसरख क्षेत्र में एक महिला का बैग ऑटो में छूट गया, जिसमें लगभग 3.50 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषण, एटीएम कार्ड, मेट्रो कार्ड, फ्लैट की चाबी, नकदी समेत कई महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे हुए थे। बैग गुम होने की सूचना मिलते ही थाना बिसरख पुलिस हरकत में आई और त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित ऑटो की तलाश शुरू की। पुलिस टीम के प्रयासों से बैग को सकुशल बरामद कर महिला को सुपुर्द कर दिया गया। अपने कीमती सामान की सुरक्षित वापसी पर महिला ने बिसरख पुलिस की कार्यशैली, संवेदनशीलता और तत्परता की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया। पुलिस की इस सराहनीय पहल से क्षेत्र के लोगों में सुरक्षा और भरोसे की भावना और मजबूत हुई है।

उपमुख्यमंत्री ने विकास भवन में जनकल्याणकारी प्रदर्शनी का किया अवलोकन

विकास योजनाओं से रूबरू हुए हजारों नागरिक

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विकास भवन परिसर में आयोजित तीन दिवसीय जनकल्याणकारी प्रदर्शनी एवं विकास उत्सव के दूसरे दिन गुरुवार को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि 'पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन देखा है। किसानों, युवाओं, महिलाओं, गरीबों और उद्यमियों को केंद्र में रखकर बनाई गई योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।'

उपमुख्यमंत्री के विकास भवन पहुंचने पर जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ तथा मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा 17 से 19 जून तक आयोजित जनकल्याणकारी प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों पर पहुंचकर सरकार की योजनाओं, सेवाओं और उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि प्रदर्शनी का उद्देश्य आमजन को केंद्र एवं राज्य सरकार की लाभकारी योजनाओं से सीधे जोड़ने तथा उन्हें विभिन्न विभागों की सेवाओं के प्रति जागरूक करना है। मुख्य अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कृषि विभाग द्वारा आयोजित 'प्राकृतिक खेती, कृषक कल्याण, कृषि, पौध संरक्षण, जैविक कीटनाशक एवं मिलेट्सइ विषयक गोष्ठी का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्षा ममता त्यागी, महापौर सुनीता दयाल, सदर विधायक संजीव शर्मा, मोदीनगर विधायक डॉ. मंजू सिवाच, लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, भाजपा नेता बसंत त्यागी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का पौधा, अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार का 12 वर्षीय कार्यकाल गरीबों के उत्थान, किसानों के सशक्तिकरण, युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार उपलब्ध कराने तथा देश को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि इस अवधि में विकास और सुधार के लगभग हर क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन देखने को मिले हैं। आज देश में बेहतर सड़कें, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मजबूत आधारभूत संरचना विकास की नई तस्वीर प्रस्तुत कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था में सुधार से निवेश का वातावरण मजबूत हुआ है, जिससे उद्योगों और रोजगार के अवसरों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर और लाभकारी बनाने के लिए केंद्र एवं प्रदेश सरकार ने अनेक ऐतिहासिक योजनाएं लागू की हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, पीएम-कुसुम योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना, ई-नाम तथा मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना जैसी योजनाओं ने किसानों को आर्थिक सुरक्षा और तकनीकी मजबूती प्रदान की है।

उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती, जैविक कृषि और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे खेती की लागत घटेगी, उत्पादन बढ़ेगा और पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलेगा। कार्यक्रम में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाई गई आकर्षक प्रदर्शनी और सेल्फी प्वाइंट लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने रहे। बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं और अन्य आगंतुकों ने सेल्फी लेकर कार्यक्रम की यादों को संजोया। प्रदर्शनी के माध्यम से सरकार की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों को चित्रों, डिजिटल माध्यमों और जानकारीपूर्ण सामग्री के जरिए आमजन के सामने प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों ने भी पूरे दिन आयोजन को उत्सव का स्वरूप प्रदान किया और नागरिकों का भरपूर मनोरंजन किया। प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों और संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्टॉलों पर पूरे दिन लोगों की भीड़ उमड़ी रही। ऊर्जा, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, नगर निगम, उद्योग, पर्यटन, आयुष, श्रम, कौशल विकास, समाज कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तीकरण, अल्पसंख्यक कल्याण, खाद्य एवं रसद, पशुपालन, मत्स्य, उद्यान, सहकारिता, पंचायत राज, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण सहित अनेक विभागों ने अपनी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी नागरिकों को उपलब्ध कराई। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी भी प्राप्त की।

जिला प्रशासन ने बताया कि प्रदर्शनी के अंतिम दिन 19 जून को प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, स्वयंसेवी संस्थाओं की सहभागिता तथा पेंशन विभाग की विभिन्न लाभार्थी योजनाओं पर विशेष गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठा सकें। कार्यक्रम के अंत में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं की वास्तविक सफलता तभी संभव है जब उनकी जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे आयोजन न केवल लोगों को जागरूक करते हैं, बल्कि सरकार और जनता के बीच विश्वास एवं सहभागिता को भी मजबूत बनाते हैं।

सफाई कर्मियों को सम्मान, सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियां गिनाईं

बृजेश पाठक बोले– गरीब कल्याण और सुशासन से बदल रही देश-प्रदेश की तस्वीर

गाजियाबाद। '12 साल विकास के विश्वास' जनकल्याण अभियान के अंतर्गत भगवान महर्षि वाल्मीकि पार्क में सफाई कर्मचारी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा पिछले 12 वर्षों में गरीबों के उत्थान के लिए किए गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत करोड़ों गरीब परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराए गए हैं तथा पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी ढंग से पहुंचाया गया है। उन्होंने उज्ज्वला योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि मुफ्त गैस कनेक्शन मिलने से ग्रामीण महिलाओं को चूल्हे के धुएं से होने वाली बीमारियों से राहत मिली है और उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आया है। कोरोना महामारी के दौरान प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों तक मुफ्त राशन पहुंचाकर सरकार ने जरूरतमंद परिवारों को बड़ी राहत प्रदान की। बृजेश पाठक ने कहा कि भारत आज विश्व की प्रमुख और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। सड़क, बिजली, पानी, रोजगार, तकनीक और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है तथा देश वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश में माफिया और गुंडाराज का माहौल था, जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में महिलाओं, व्यापारियों, उद्योगपतियों, किसानों और मजदूरों को भयमुक्त वातावरण मिला है तथा माफिया और जंगलराज पर प्रभावी अंकुश लगाया गया है। इस अवसर पर मंत्री नरेंद्र कश्यप ने भी प्रदेश सरकार की विकास एवं गरीब कल्याण संबंधी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में सदर विधायक संजीव शर्मा, महापौर सुनीता दयाल, पूर्व महानगर अध्यक्ष अजय शर्मा एवं अमरदत्त शर्मा, मंडल अध्यक्ष महिमा गुप्ता, महानगर महामंत्री गौरव चोपड़ा, पंकज भारद्वाज, प्रदीप चौहान, राजन आर्य, सचिन डेढ़ा, नीरज शर्मा सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

व्यापारियों को मिला नया नेतृत्व, राज चौधरी बने राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण संघ के गाजियाबाद जिलाध्यक्ष

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण संघ (रजि.) उत्तर प्रदेश के संगठन विस्तार अभियान के तहत नवयुग मार्केट स्थित अंगीठी रेस्टोरेंट में आयोजित समारोह में समाजसेवी एवं युवा नेता राज चौधरी को संगठन का गाजियाबाद जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। प्रदेश अध्यक्ष संजय बिंदल एवं प्रदेश चेयरमैन सरदार बलप्रीत सिंह ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपकर नई जिम्मेदारी दी।

जिलाध्यक्ष घोषित होते ही समारोह में मौजूद व्यापारियों एवं पदाधिकारियों ने फूल-मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। राज चौधरी वर्तमान में युवा बजरंग वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भी

कार्यरत हैं। कार्यक्रम के दौरान दो दर्जन से अधिक व्यापारियों ने राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण संघ की सदस्यता ग्रहण कर संगठन को मजबूती प्रदान करने का संकल्प लिया।

समारोह में प्रदेश प्रभारी अनूप वर्मा, प्रदेश महामंत्री गौरव त्यागी, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रमिला चौधरी एवं कन्हैया सिंह, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद गालिब, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष पूनम गुप्ता सहित विनोद पंजाबी, रोहित गौतम, आकाश ठाकुर, राजेश ठाकुर, जितेंद्र सिंह, चेतन सिंह, वर्धन, अमित प्रजापति, वीरेंद्र कुमार कंडेरा, शंकर शर्मा, अमित शर्मा, रवि ठाकुर, मुकेश यादव, पुरुषोत्तम चड्ढा, वसीम, महेश शर्मा और रोहित कुमार समेत बड़ी संख्या में व्यापारी एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश चेयरमैन सरदार बलप्रीत सिंह ने कहा कि संगठन व्यापारियों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य कर रहा है तथा संगठन विस्तार अभियान को प्रदेशभर में गति दी जा रही है।

जनता की चौखट पर प्रशासन: डीएम रविन्द्र कुमार ने सुनी फरियादें, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कलेक्ट्रेट स्थित जनता दर्शन कार्यक्रम में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान राजस्व, जीडीए, नगर निगम, विद्युत, स्वास्थ्य, निर्माण समेत विभिन्न विभागों से जुड़े प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार जनता दर्शन एवं जनसुनवाई की प्रक्रिया की सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय से लाइव मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक जन शिकायतें सुनना सुनिश्चित करें तथा जूम के माध्यम से भी आमजन से संवाद बनाए रखें। जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी ने कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया। साथ ही जूम के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। इस अवसर पर एडीएम (एलए) अवनीश, एडीएम सिटी विकास कश्यप, एडीएम (ई) ज्योति मौर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आरटीओ कार्रवाई के डर से हाईवे पर फेंके पत्थर, पुलिस की मुस्तैदी से टला बड़ा हादसा

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। ग्रेटर नोएडा के चक्रसेनपुर-दादरी क्षेत्र स्थित ईस्टर्न पेरिफेरल हाईवे पर गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब ओवरलोड ट्रक चालकों ने परिवहन विभाग की कार्रवाई के डर से अपने ट्रकों से बड़े-बड़े पत्थर और जैक सड़क पर फेंक

दिए। सड़क पर अचानक फैले पत्थरों के कारण कई वाहनों के टायर पंचर हो गए और हाईवे पर लंबा जाम लग गया। भीषण गर्मी के बीच यात्रियों को घंटों परेशानियों का सामना करना पड़ा।

घटना की सूचना मिलते ही दादरी पुलिस, थाना प्रभारी एवं ट्रैफिक पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने जेसीबी और फावड़ों की सहायता से सड़क पर पड़े भारी पत्थरों को हटवाया तथा प्रभावित वाहन चालकों की मदद के लिए पंचर मशीन भी मौके पर बुलवाई गई।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से यातायात को शीघ्र सामान्य कराया गया और एक संभावित बड़े हादसे को टाल दिया गया।

स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि समय रहते कार्रवाई नहीं होती तो गंभीर दुर्घटना हो सकती थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

23 जून से हिंडन-मुंद्रा हवाई सेवा शुरू, पश्चिमी यूपी के कारोबार को मिलेगी नई उड़ान

साहिबाबाद। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के उद्योग, व्यापार और हवाई संपर्क को नई गति देने वाली बहुप्रतीक्षित हिंडन-मुंद्रा हवाई सेवा आखिरकार 23 जून से शुरू होने जा रही है। लंबे इंतजार के बाद भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को स्टार एयर की ओर से उड़ान संचालन शुरू करने संबंधी आधिकारिक ई-मेल प्राप्त हो गया है। इसके साथ ही हिंडन एयरपोर्ट से गुजरात के औद्योगिक शहर मुंद्रा के लिए सीधी विमान सेवा का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। इस नई सेवा से गाजियाबाद, नोएडा, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, बागपत और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों के व्यापारियों, उद्यमियों तथा यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। हिंडन एयरपोर्ट के निदेशक डॉ. चिल्का महेश ने बताया कि मुंद्रा के लिए विमान सेवा सप्ताह में तीन दिन संचालित की जाएगी। निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार मुंद्रा से उड़ान दोपहर 3:45 बजे हिंडन एयरपोर्ट पहुंचेगी, जबकि हिंडन से विमान शाम 4:15 बजे मुंद्रा के लिए रवाना होगा। उन्होंने बताया कि उड़ानों के नियमित संचालन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और 23 जून से यात्री इस नई सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने नगर निगम की 50 इलेक्ट्रॉनिक डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन वाहनों को दिखाई हरी झंडी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने गुरुवार को नगर निगम द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को और अधिक प्रभावी एवं आधुनिक बनाने की दिशा में शुरू की गई नई पहल का शुभारंभ करते हुए कहा कि 'यदि प्रत्येक नागरिक अपने घर से निकलने वाले गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करना शुरू कर दे तो शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त बनाने का लक्ष्य आसानी से हासिल किया जा सकता है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को सफल बनाने के लिए केवल नगर निगम के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि इसमें हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी सबसे अधिक जरूरी है।' उप मुख्यमंत्री ने गाजियाबाद नगर निगम की 50 इलेक्ट्रॉनिक डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद नगर निगम मुख्यालय पहुंचकर उन्होंने शहरवासियों को कचरा पृथक्करण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से तैयार की गई 1 मिनट 34 सेकेंड की ज्ञानवर्धक वीडियो का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महापौर एवं नगर आयुक्त ने उन्हें नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे कचरा पृथक्करण जागरूकता अभियान की विस्तृत जानकारी भी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा कि गाजियाबाद नगर निगम वैज्ञानिक एवं आधुनिक तरीके से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। घर-घर से एकत्र होने वाले कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में संग्रहित कर स्मार्ट ट्रांसफर स्टेशनों के माध्यम से प्रोसेसिंग यूनिट तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस पूरी

प्रक्रिया की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि नागरिक अपने घरों से ही गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करें। यदि स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण सुनिश्चित हो जाए तो न केवल कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण आसान होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी। नगर निगम अधिकारियों ने उप मुख्यमंत्री को बताया कि शहर में व्यापक स्तर पर लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत तैयार की गई वीडियो में एक सामान्य परिवार के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि रसोई से निकलने वाला गीला कचरा तथा प्लास्टिक, कागज, कांच और धातु जैसे सूखे कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में रखना कितना आवश्यक है। वीडियो का उद्देश्य लोगों

की दिनचर्या में कचरा पृथक्करण की आदत विकसित करना है, ताकि स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप मिल सके। डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वच्छ एवं स्वस्थ शहरों के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। नगर निगम द्वारा आधुनिक तकनीक के माध्यम से कूड़ा संग्रहण, परिवहन और वैज्ञानिक निस्तारण की दिशा में किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि नई इलेक्ट्रॉनिक कूड़ा कलेक्शन गाडियां घर-घर से समयबद्ध तरीके से कचरा संग्रहित करेंगी, जिससे सफाई व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। साथ ही नागरिकों को भी अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए नगर निगम का सहयोग करना चाहिए। महापौर एवं नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम लगातार वार्ड स्तर पर जनजागरूकता अभियान चला रहा है। अधिकांश परिवार अब गीले और सूखे कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन का उपयोग करने लगे हैं। निगम की टीमें घर-घर जाकर लोगों को कचरा पृथक्करण के फायदे समझा रही हैं तथा अब डिजिटल माध्यम से भी इस संदेश को अधिक प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाया जाएगा। उनका कहना था कि जागरूकता ही स्वच्छ शहर की सबसे मजबूत नींव है। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ने नगर निगम अधिकारियों से अभियान की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि शहर के प्रत्येक वार्ड, कॉलोनी, बाजार और आवासीय क्षेत्र तक जागरूकता अभियान को और अधिक व्यापक बनाया जाए। उन्होंने कहा कि स्कूलों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा स्थानीय नागरिक समितियों को भी इस अभियान से जोड़ा जाए, ताकि प्रत्येक व्यक्ति कचरा पृथक्करण की आवश्यकता को समझ सके और इसे अपनी दैनिक आदत बना सके। इस अवसर पर विधायक संजीव शर्मा, पार्षद राजीव शर्मा, पार्षद पूनम सिंह, पार्षद संतोष, पार्षद दयानंद शर्मा, पार्षद नीरज गोयल सहित नगर निगम के अनेक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने शहरवासियों से अपील की कि वे गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग कर नगर निगम के स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। कार्यक्रम के अंत में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने विश्वास जताया कि यदि नगर निगम के प्रयासों के साथ नागरिकों का सहयोग निरंतर मिलता रहा तो गाजियाबाद स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में प्रदेश के अग्रणी शहरों में अपनी अलग पहचान स्थापित करेगा।